समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• नवम्बर २०२० • वर्ष ७१ • अंक ११

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

२१ नवम्बर २०२० : राँची, झारखंड में आयोजित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २६वें राष्ट्रीय अधिवेशन का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करती झारखंड की महामहिम राज्यपाल माननीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू। चित्र में परिलक्षित हैं (बायें से) सर्वश्री अनिल अग्रवाल, पवन पोद्दार, पवन कुमार गोयनका, गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, महामहिम राज्यपाल, विनय सरावगी, सुबोध कांत सहाय एवं राज कुमार पुरोहित।

२२ नवम्बर २०२० : २६वें राष्ट्रीय अधिवेशन में समापन समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा के माननीय उपसभापति श्री हरिवंश नारायण सिंह (बीच में) के साथ परिलक्षित हैं (बायें से) सर्वश्री ओम प्रकाश अग्रवाल, कोल इंडिया के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल, गोवर्धन गाड़ोदिया, विनय सरावगी, राजकुमार पुरोहित एवं पवन गोयनका।

S R RUNGTA GROUP
Rungta Mines Limited
Chaibasa
RUNGTA STEEL™
SOLID STEEL
• Superior Technology
• Greater Strength
• Extreme Flexibility
500D
TMT REBARS
STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA -833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA
Contact :
+91-6582-255261/ 361
+91-7008-012240
tmtmkt@rungtamines.com
csp@rungtamines.com
Approved by IS 1786:2008
Lic.No.-CM/L 5800021706
Approved by IS 2830:2012
Lic.No.-CM/L 5800007712

समाज विकास

◆ नवम्बर २०२० ◆ वर्ष ७१ ◆ अंक ११
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **चिट्ठी आई है**	३-५
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया**	६
लक्ष्मी का वास्तविक स्वरूप	
● **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया**	७-८
संस्कार संरक्षण – आज की आवश्यकता	
● **रपट –**	
सम्मेलन का २६वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन	९-१९
सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा	२९-३०
● देव-स्तुति	३५
● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत	३६-३८

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९
पंजीकृत कार्यालय : १५२वी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

अध्यक्ष, लोक सभा
SPEAKER, LOK SABHA
INDIA

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का 26वां राष्ट्रीय अधिवेशन झारखण्ड की राजधानी रांची में आयोजित किया जा रहा है।

मारवाड़ी समाज अपनी कर्मठता, उद्यमशीलता व लोकहित के कार्यों में सक्रियता के लिए पूरे विश्व में जाना जाता है। देश के आर्थिक व सामाजिक विकास के क्षेत्र में मारवाड़ी समाज के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। आशा है कि यह राष्ट्रीय अधिवेशन नए उत्साह से समाज को देश हित में और अधिक प्रवृत्त करेगा।

मैं इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका की सफलता की कामना करता हूं तथा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से जुड़े समस्त मारवाड़ी समाज को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

(ओम बिरला)

राज्यपाल, पश्चिम बंगाल
Governor of West Bengal

MESSAGE

It is gratifying to note the Akhil Bharatvarshiya Marwari Sammelan 26th National Convention is taking place at Ranchi on November 21-22, 2020.

Since its establishment in 1935, Marwari Sammelan has been contributing across the country as also outside in a commendable manner by exemplifying a sense of societal commitment and service.

I have noticed while being Governor of the State of West Bengal that during difficult and stressful period, be that of COVID or cyclone, the Marwari community has always come forward to make its contributions for the welfare of the society at large. Its hand holding approach for the poor and the needy in the times of crisis is highly appreciated.

I am sure the deliberations in the 26th National Convention on November 21-22, 2020 would be extremely useful. The publication on the occasion is bound to enhance connectivity *inter se* and beyond.

I wish the National Convention and the publication a great success.

Jagdeep Dhankhar

8 November, 2020

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू
राज्यपाल, झारखण्ड

राज भवन
राँची 834001
दूरभाष (का.) 0651-2283469
(आ.) 0651-2283465
फैक्स 0651-2201101
0651-2283469

अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि झारखण्ड प्रान्तीय सम्मेलन के तत्वावधान में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का 26वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन दिनांक 21 एवं 22 नवंबर, 2020 होने जा रहा है तथा इस अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन होने जा रहा है।

आशा है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के इस राष्ट्रीय अधिवेशन में समाज के कल्याणार्थ विभिन्न योजनाओं पर परिचर्चा होगी। आमजनों के कल्याणार्थ सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं पर चर्चा करते हुए लोगों के लिए जागरूकता संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन पर बल दिया जायेगा तथा आर्थिक व सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग के उन्नयन हेतु कार्य किया जायेगा, जो राष्ट्र व राज्य के सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक सिद्ध होगी। साथ ही इस मंच द्वारा कुछ ग्रामों को भी गोद लेकर उसकी प्रगति की दिशा में कार्य करने की पहल के लिए विचार-मंथन किया जा सकता है।

मैं इस राष्ट्रीय अधिवेशन की सफलता एवं इस अवसर पर प्रकाशित होनेवाली स्मारिका के सफल प्रकाशन की कामना करती हूँ।

(द्रौपदी मुर्मू)

राज भवन
दिनांक- 11.11.2020

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल,
मध्यप्रदेश

राजभवन,
भोपाल
मध्यप्रदेश

क्रमांक 232/राजभवन/2020
भोपाल, दिनांक 10 नवंबर, 2020

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का 26 वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन रांची, झारखंड में हो रहा है।

मारवाड़ी समाज की पूरी दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान है। शायद यह दुनिया में पहला ऐसा समाज है जिसने व्यापार को गति देने के लिए व्यापारिक लिपि मुड़िया ईज़ाद कर, व्यापारिक स्तर पर सफल प्रयोग भी किया। समाज के सदस्यों ने दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में भी व्यापारिक गतिविधियों का संचालन सफलता के साथ किया है। देश का कोई ऐसा प्रांत नहीं है, जहाँ मारवाड़ी समाज की बसाहट नहीं हो। व्यापारिक गतिविधियों में सक्रिय होने के साथ ही शिक्षा, साहित्य सेवाओं, जनकल्याण और स्वतंत्रता संघर्ष में समाज के सहयोग का गौरवशाली इतिहास है। वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों के अनुसार बदलाव, मजबूत समाज का आधार है। इसलिए सामाजिक सुधार के प्रयासों की निरंतरता भी जरुरी है। इसमें सामाजिक सम्मेलनों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

मुझे विश्वास है कि राष्ट्रीय अधिवेशन अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन में सफल होगा। स्मारिका का प्रकाशन मारवाड़ी समाज की एकता और पारस्परिक भ्रातृत्व भाव को मजबूत बनाने के उद्देश्यों में सफल होगा।

शुभकामनाएँ।

(आनंदीबेन पटेल)

भगत सिंह कोश्यारी
राज्यपाल, महाराष्ट्र राज्य

राज भवन
मलबार हील
मुंबई ४०० ०३५
दूरध्वनी : ०२२-२३६३ २६६०
फैक्स : ०२२-२३६८ ०५०५

२० नवंबर २०२०

संदेश

अखिल भारतवर्षीय मारवाडी सम्मेलन का २६ वा राष्ट्रीय अधिवेशन झारखण्ड की राजधानी रांची में दिनांक २१ एवं २२ नवंबर को हो रहा है, यह जानकर प्रसन्नता हुई।

देश के स्वतंत्रता आंदोलन में मारवाडी समाज का असाधारण योगदान रहा है। स्वतंत्रता के पश्चात समाज ने देश की आर्थिक समृद्धि एवं विकास के क्षेत्र में प्रखर योगदान दिया है। हमारे देश का ऐसा कोई भी प्रदेश नही जहां मारवाडी समाज का शिक्षा, समाजसेवा, धर्मार्थ एवं सामाजिक कार्यों में अमूल्य योगदान ना रहा हो। करोना आपदकाल में मारवाडी समाज ने जनसेवा तथा पशु पक्षी सेवा में भी तन, मन, धन से कार्य किया जो केवल समाज के लिये नाही अपितु समुचे राष्ट्र के लिए गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं मारवाडी समाज का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ तथा छब्बीस वे राष्ट्रीय अधिवेशन के सफल आयोजन के लिए अखिल भारतीय मारवाडी सम्मेलन तथा आतिथ्य कर रहे झारखण्ड प्रान्तीय मारवाडी सम्मेलन को शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(भगत सिंह कोश्यारी)
राज्यपाल, महाराष्ट्र, गोवा

Biswa Bhusan Harichandan

GOVERNOR
ANDHRA PRADESH

RAJ BHAVAN
VIJAYAWADA-520 002

14.11.2020

MESSAGE

I am happy to learn that the 26th National Convention of the All India Marwari Federation, a representative body of the Marwari community of India, is going to be organized from November 20-22, 2020 in Ranchi, Jharkhand.

I am happy to know that the All India Marwari Federation is involved in activities for the welfare of people belonging to Marwari community both in India and abroad and forging unity among members of the community. The Marwari community is spread across all States in the country and in several countries in the world. The Marwari community plays an important role in the country's development, socio-economic and nation building activities.

I wish the 26th National Convention of the All India Marwari Federation, all success.

Biswa Busan Harichandan 18/11

कलराज मिश्र
राज्यपाल, राजस्थान

Kalraj Mishra
Governor, Rajasthan

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का 26वां राष्ट्रीय अधिवेशन झारखण्ड की राजधानी राँची में होना सुनिश्चित हुआ है और इस अवसर पर आप स्मारिका का प्रकाशन कर रहे हैं।

मारवाड़ी समाज आरम्भ से ही उद्यमिता का पर्याय रहा है। मैं यह मानता हूं कि देश के औद्योगिक विकास में मारवाड़ी समुदाय की विशिष्ट भूमिका है। यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है कि राजस्थान के निवासियों ने सुदूर स्थानों पर जाकर रोजगार के विपुल अवसरों का सृजन किया है।

प्रवासी मारवाड़ियों का देश के आर्थिक, सामाजिक विकास में अभूतपूर्व योगदान रहा है। राजनीति क्षेत्र में भी मारवाड़ी समाज ने बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आप द्वारा प्रकाशित स्मारिका में प्रवासी मारवाड़ियों के विभिन्न क्षेत्रों में अवदान के विभिन्न आयामों को शामिल करते हुए उपयोगी सामग्री का प्रकाशन किया जाएगा, ऐसा विश्वास है।

प्रकाश्य स्मारिका के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

(कलराज मिश्र)

मनोहर लाल
MANOHAR LAL

मुख्य मन्त्री, हरियाणा
चण्डीगढ़।
CHIEF MINISTER, HARYANA
CHANDIGARH

Dated 16-11-2020

संदेश

मुझे यह जानकर हर्ष हुआ कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का 26वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन 21 व 22 नवम्बर 2020 को झारखण्ड की राजधानी राँची में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर एक स्मारिका भी प्रकाशित की जाएगी।

वार्षिक अधिवेशन संस्था के सदस्यों को एक-दूसरे से मिलने, विचारों को साझा करने और अपनी समस्याओं का समाधान करने का उचित मंच प्रदान करते हैं।

भारत एक बहु सांस्कृतिक देश है, जहां विभिन्न प्रांतों, धर्मों एवं जातियों के लोग जात-पात एवं क्षेत्रवाद की संकीर्ण भावनाओं से ऊपर उठकर विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं।

आशा है कि 26वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर प्रकाशित की जा रही स्मारिका अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा लोगों के कल्याणार्थ किए जा रहे कार्यों के साथ-साथ संस्था के अन्य रचनात्मक एवं संगठनात्मक कार्यों की विस्तृत जानकारी लोगों तक पहुंचाएगी।

मैं 26वें राष्ट्रीय अधिवेशन की सफलता की कामना करता हूँ।

(मनोहर लाल)

Acharya Devvrat
Governor, Gujarat
Gandhinagar-382021

आचार्य देवव्रत
राज्यपाल, गुजरात
गांधीनगर-३८२०२१

5 NOV 2020

संदेश

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के उपलक्ष्य में झारखंड की राजधानी राँची में आगामी 21-22 नवम्बर, 2020 को राष्ट्रीय अधिवेशन होने जा रहा है, इसके लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ।

देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में मारवाड़ी समाज एवं प्रवासी मारवाड़ियों का अभूतपूर्व योगदान रहा है। इतना ही नहीं, राजनैतिक क्षेत्र में भी मारवाड़ी समाज की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

26 वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर प्रकाशित होने वाली 'स्मरणिका' स्थायी रूप से यादगार बने, ऐसी कामना करता हूँ।

(आचार्य देवव्रत)

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति
के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

लक्ष्मी का वास्तविक स्वरूप

इस माह हमलोग दीपावली मना रहे हैं। दीपावली के अवसर पर लक्ष्मीजी की पूजा आराधना का विशेष महत्व है। दैनन्दिनी जीवन में रूपये पैसों को ही हम लक्ष्मी की संज्ञा देते हैं। किन्तु वास्तविकता इससे अलग है। हमारे स्मृति, श्रुति, धर्मग्रंथों एवं आचार्यो द्वारा बताये गये जानकारी पर गौर करने से ही हम महालक्ष्मी के वास्तविक स्वरूप के विषय में समझ सकते हैं। माता लक्ष्मी जगतपति श्री विष्णु की भार्या है। ऋग्वेद के श्रीसूत्र में उनके भव्य स्वरूप का वर्णन मिलता है –

पद्मप्रिये पद्मिनी पद्महस्ते पद्मालये पद्मदलायताक्षी
विश्वप्रिये विष्णु मनोऽनुकूले त्वत्पादपद्मं मयि सन्निधत्स्व (२४)

अर्थात, हे माता पद्मिनी, आपको कमल पसंद है, कमल आपका निवास, आपके हाथो में कमल है, आपके नयन कमल के पंखुड़ियों जितने सुंदर हैं। आप विष्णु की प्रिय हैं, आप विष्णु के मनोनुकूल कार्य सम्पन्न करती हैं। आपके कमलरूपी चरणों में शरण दें। कमल सिर्फ सुंदर एवं कोमल ही नहीं, आध्यात्मिक प्रतीक भी है।

लक्ष्मी दो शब्दों के मेल से बना है। एक 'लक्ष्य' दूसरा 'मी' अर्थात लक्ष्य तक ले जाने वाली देवी। ब्रह्मावैवर्त पुराण में कहा गया है –

यथ त्वम राधिका देवी गोलोके गोकुले तथा
वैकुंठे च महालक्ष्मी भवति च सरस्वती

हे राधा! गोलोक (श्री कृष्ण का दिव्य लोक) एवं गोकुल (श्रीकृष्ण का पृथ्वी पर वास स्थान) में तुम राधा हो, बैकुंठ में महालक्ष्मी के रूप में विराजमान हो। राधा को श्रीकृष्ण की आह्लादिनी शक्ति मानते हैं। अतएव श्रीकृष्ण मे विलग नही हैं। गीता (१०.३४) में भी भगवान कहते है कि स्त्रियों में 'श्री' मैं स्वयं हूँ। विष्णु पुराण में कहा गया है – लक्ष्मी की दृष्टिमात्र से निर्गुण मनुष्य भी शील, विद्या एवं वैभव प्राप्त करता है। श्रीमद देवी भागवत में भी उल्लेख मिलता है कि नवरात्र के समय देवी माता की पूजा महाकाली, महालक्ष्मी एवं सरस्वती स्वरूप से तीन-तीन दिन किये जाते हैं।

स्वयं इन्द्र ने महालक्ष्म्यष्टंक में महालक्ष्मी के गुण एवं शक्ति का उल्लेख किया है। उन्हें सर्वज्ञ, सर्व पाप हरनेवाली, सर्व वर प्रदान करने वाली, आदि-अंत रहित, आदिशक्ति, सारे दुःख हरनेवाली, सम्पूर्ण जगत में व्याप्त एवं सकल लोक की जगद्जननी कहा है। एक श्लोक में कहा गया है –

सिद्धि बुद्धि प्रदे देवी, भक्ति मुक्ति प्रदायिनी
मंत्र मुर्ते पूते सदा देवी महालक्ष्मी नमोस्तुते।

आप सिद्धि, बुद्धि, भोग एवं मुक्ति प्रदान करने वाली है। ऋग्वेद में श्रीसुक्त के अंतर्गत कहा गया है –

धनमग्निर्धन वार्युधनं सूर्योधनं वसु

अग्नि, वायु, सूर्य एवं आकाश के शक्ति के आप स्त्रोत है।

लक्ष्मी के आठ स्वरूप दो रूप में वताये गये हैं –

१) धनलक्ष्मी, धान्य लक्ष्मी, शौर्य लक्ष्मी, धैर्य लक्ष्मी, विद्यालक्ष्मी, विजय लक्ष्मी, कीर्ति लक्ष्मी, राज लक्ष्मी।

२) आदि लक्ष्मी, धन लक्ष्मी, धान्यलक्ष्मी, ऐश्वर्य लक्ष्मी, राज लक्ष्मी, वीर लक्ष्मी, विजय लक्ष्मी, संतान लक्ष्मी।

वास्तविक में महालक्ष्मी का स्वरूप विस्तृत है। हमारी समझ के विपरीत उसी रुपया पैसा को धन कहा गया है जो धर्म के अनुसार उद्यम करके कमाया गया है। लक्ष्मी जी कहती हैं –

वासामि नित्यं सुभगे प्रगल्भे दक्षे नरे कर्मणि वर्तमाने।
अक्रोधने देवपरे कृतज्ञे जितेन्द्रिय नित्यमुदीर्णसत्वे।।

मैं सुंदर, मधुर भाषी, चतुर, अपने कर्त्तव्य में लीन, क्रोधहीन, भगवत्परायण, कृतज्ञ, जितेन्द्रिय और बलशाली के पास बराबर बनी रहती हूँ।

वे कहाँ नहीं रहती, इस विषय में भी उनका कहना है –

मिथ्यावादी च यः शश्वदनधायी च यः सदा।
सत्त्य हीनश्च दुश्शीलो न गेहं तस्य याम्यहम्।।
सत्यहीनं स्थाप्यहारी मिथ्यासाक्ष्य प्रदायकः।
विश्वासघ्नः कृतघ्नो वा यामि तस्यन मन्दिरम।।

मिथ्यावादी, धर्मग्रंथों को कभी न देखनेवाला, प्रराक्रम हीन, खोटे स्वभाव वाला, सत्य से हीन, अन्य की धरोहर मारने वाला, झूठी गवाही देने वाले, विश्वासघात करनेवाले तथा कृतघ्न पुरुषों के घर मैं नहीं जाती।

येन केन प्रकारेण कमाए गये धन का लक्ष्मी स्वयं नाश कर देती हैं। वह पैसा अभिशाप बन जाता है। शारीरिक रोग, द्वेष, पारिवारिक कलह, व्यसन, व्यभिचार, दुर्गुण, दुश्चिंता जैसे बुराईयों से मनुष्य ग्रस्त हो जाता है। धन कमाकर सुविधाओं का अम्बार लगाया जा सकता है, किन्तु जीवन का मान श्री विष्णु को प्रिय एवं उनके मनोकुल यानि धर्म के अनुसार किये गये कार्यों से कमाये हुए लक्ष्मी से ही ऊँचा होता है। दीपावली के पावन अवसर पर आइये, श्री सूक्त में कहे गये प्रार्थना को दोहरायें –

वसुते गृहे सर्वमांङ्गल्य युक्ता

हे माता, मेरे घर में रहो सर्वप्रकार के मंगल के साथ।

सभी पाठकों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ!

शिव कुमार लोहिया

अध्यक्षीय

संस्कार संरक्षण – आज की आवश्यकता

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

स्नेही-सुधी समाजबंधु, मातृ एवं युवाशक्ति,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद मैं पहली बार अपनी प्रतिष्ठित पत्रिका 'समाज विकास' के माध्यम से आपसे रू-बरू हो रहा हूँ, आप सबका अभिनंदन!!

गत २१-२२ नवम्बर को राँची में सम्मेलन का २६वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में आयोजित हुआ। झारखंड की महामहिम राज्यपाल श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा उद्घाटित अधिवेशन को राज्य सभा के माननीय उपसभापति श्री हरिवंश जी, वरिष्ठ राजनेता श्री सुबोध कांत सहाय, कोल इंडिया के चेयरमैन श्री प्रमोद अग्रवाल, उद्योगपति-समाजसेविका श्रीमती अलका बाँगड़ आदि ने अपनी उपस्थिति से गौरवान्वित किया। अपने सम्बोधनों के माध्यम से सभी ने मारवाड़ी समाज की सेवा, सहयोग, परोपकार, समरसता एवं उद्यमिता की भावना की प्रशंसा की और कहा कि इस समाज की अपनी विशेषता है, अपनी कमियों एवं बुराइयों को दूर करने के लिये भी खुले मंच पर चर्चा करते हैं एवं उनके उन्मूलन हेतु चिंतन करते हैं। समारोह के प्रमुख वक्ता, सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रबुद्ध समाजचिंतक श्री सीताराम शर्मा ने, अपने वक्तव्य में, न केवल सम्मेलन की पृष्ठभूमि, उद्देश्यों, आदि पर प्रकाश डाला, अपितु मारवाड़ियों की सभ्यता-संस्कृति एवं राष्ट्र के प्रति अवदानों, आगामी समय में कर्तव्यों, आदि का भी एक विशद, तार्किक विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए हमें आगे की राह दिखाई। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण श्री नंदलाल रुँगटा, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, श्री रामअवतार पोद्दार, श्री प्रह्लाद राय अगरवाला एवं निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ का मार्गदर्शन एवं सहयोग अधिवेशन-आयोजन में कदम-कदम पर प्राप्त हुआ। अधिवेशन के स्वागताध्यक्ष श्री विनय सरावगी एवं झारखंड सम्मेलन के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल के कुशल निर्देशन एवं समन्वयन में आयोजित अधिवेशन प्रतिकूल एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। मैं प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से अधिवेशन-आयोजन से सम्बद्ध सबके प्रति अपना विनम्र आभार निवेदित करता हूँ!

सम्मेलन के आठ दशकों से भी अधिक समय के इतिहास में, हमारे मनीषी अग्रजों ने विभिन्न समयानुकूल कार्यक्रम हाथ में लिए। सम्मेलन के वर्तमान कार्यक्रमों को सुचारु रूप से आगे बढ़ाते रहने एवं उन्हें यथोचित ढंग से गतिशील बनाये रखने के अतिरिक्त, समयानुसार नये प्रकल्पों की स्थापना वर्तमान सत्र में हमारी प्राथमिकता होगी। मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु अनुदान के माध्यम से सहयोग देना सम्मेलन का एक अत्यंत प्रभावशाली एवं समयोपयोगी कार्यक्रम है जिससे पूरे देश में सैकड़ों विद्यार्थिओं को लाभ प्राप्त हुआ है और उनके परिवारों को अवलम्बन। इसी प्रकार, समाज के संसाधनहीन लोगों को असाध्य रोगों से ग्रसित होने की स्थिति में सहयोग देने हेतु 'उपचार कोष/निरामय कोष' की स्थापना हमारे वर्तमान सत्र के लक्ष्यों में होगा।

एक अन्य सामयिक एवं ज्वलंत विषय पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा। यह ध्रुव सत्य है कि देश, काल और परिस्थितियों के प्रभाव से हमारा सामाजिक व्यवहार निरंतर परिवर्तनशील रहता है। परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है। पिछली अनेक दशाब्दियों में, हमारे सामाजिक परिदृश्य में आमूलचूल परिवर्तन आये हैं – कुछ अच्छाइयाँ तो कुछ बुराइयाँ। एक ओर जहाँ आधुनिक युग में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, भौतिक समृद्धि, प्रजातांत्रिक शासनप्रणाली, व्यक्तिगत स्वतंत्रता एवं निजता, अनवरत बेहतर होने की प्रवृति, आदि सकारात्मक पहलू हमारे सामाजिक जीवन-दर्शन के अंग बने हैं, वहीं सामाजिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्रों में मानवीय मूल्यों का पतन भी स्पष्टदृष्टिगोचर हुआ है। सदियों की गुलामी हमारे जिन शाश्वत आधारभूत मूल्यों को नहीं डिगा सकी, उन पर हमारी त्रुटिपूर्ण शिक्षाप्रणाली, पाश्चात्य सभ्यता के अंधानुकरण, दृष्टिहीन प्रतिस्पर्धा, दूरदर्शन एवं सोशल मीडिया के अपप्रचार, आदि ने अत्यंत प्रतिकूल दूरगामी प्रभाव डाला है। हमारी प्राचीन परम्परा के मूल्य धूमिल हो रहे हैं। अपने सनातन आदर्शों और मूल्यों, अपनी चिंतनप्रणाली, अपनी सांस्कृतिक विरासत से दूर जाते हुए हम बाहरी या विदेशी चितंनप्रणाली को स्थापित एवं प्रतिष्ठित कर रहे हैं। आधुनिकता की भ्रामक अवधारणा,

स्वयं पर अनास्था, आनात्मपरक नास्तिकता, पश्चिमी भोगवादी संस्कृति और स्वच्छंद जीवनशैली रूपी विष हमारे सामाजिक जीवन को विषाक्त कर रहे हैं।

हमारी जीवनशैली में परिवर्तन के दुष्परिणाम किसी शोध का विषय नहीं अपितु स्वयं-स्पष्ट हैं। हमारी सामाजिक व्यवस्था का मूल आधार संयुक्त परिवार आज न सिर्फ विघटन का दंश झेल रहा है बल्कि धराशायी होने की कगार पर है। दाम्पत्य जीवन की मजबूत डोर कच्चे धागे में परिवर्तित हो रही है और वैवाहिक सम्बंध-विच्छेद अब एक आम घरेलू समस्या हो गयी है। बुजुर्गों के प्रति सम्मान में लगातार कमी आ रही है। आडम्बर एवं वैभव-प्रदर्शन की प्रतिस्पर्धा चरम पर है। आचार-विचार, खान-पान, वेशभूषा, भाषा, अब अपना कुछ नहीं रहा – पश्चिमी हवा के झोंके के साथ उड़कर जो आएगा, वही हमारे लिए ग्राह्य होगा। निष्कर्ष यह है कि हमारा सम्पूर्ण सामाजिक ढाँचा कुसंस्कारों और कुप्रवृतियों से जर्जर होता जा रहा है।

इस धुँधले परिदृश्य में, अंधेरी सुरंग की दूसरी ओर, हमें प्रकाश की कोई किरण यदि दिखाई देती है, तो वह है – संस्कार! अपने समाज को बचाने और बेहतर बनाने के लिए संस्कार-संरक्षण की दिशा में स्वयं के, अपने परिवार के एवं समाज के स्तर से समर्पित प्रयास करने होंगे। परिवार में परस्पर प्रेम, सहयोग, सौहार्द, निर्भरता, मर्यादा और अनुशासन का वातावरण बनाना होगा। पारिवारिक वातावरण, खान-पान और वेशभूषा सात्विक एवं शालीन हो, यह सुनिश्चित करना होगा। दिखावे-आडम्बर से दूर रहना होगा। अपने बालक-बालिकाओं, तरुण-तरुणियों, युवक-युवतियों सहित सबको अपनी सभ्यता-संस्कृति, इतिहास, परम्पराओं, भाषा, आदि के प्रति शिक्षित-सचेत रखने का हर प्रयास करना होगा। उन्हें धार्मिक-आध्यात्मिक विषयों और उनके कर्त्तव्यों के प्रति सचेत करना होगा। निष्कर्षतः अपने संस्कारों को अक्षुण्ण रखने के लिए हमें बहुविध एवं सतत् प्रयास करने होंगे।

सम्मेलन के स्थापना काल से ही 'संस्कारों का संरक्षण' हमारे लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय रहा है। सम्मेलन इस बात का हामी है कि समयानुसार आधुनिक विचारों का अपनी जीवनशैली में आत्मसात आवश्यक है किन्तु अपने मूलभूत संस्कारों को अक्षुण्ण रखना भी अनिवार्य एवं निर्विकल्प है। दोनों का समुचित संतुलन बनाये रखना एक चुनौती है और हमें ये चुनौती स्वीकारनी ही होगी। '**आओ चलें हम, संस्कारों की नाव पर, समय की धार पर**' के नारे के साथ, सबको साथ लेकर एवं सबके सहयोग से, इस क्षेत्र में उपयुक्त कदम उठाना वर्तमान सत्र की हमारी प्राथमिकताओं में होगा।

जय समाज...जय राष्ट्र!

राजस्थानी कविता

मतीरा

– पद्मश्री कन्हैयालाल सेठिया

मरु मायड़ रा मिसरी मधरा
मीठा गटक मतीरा।
सौनैं जिसड़ी रेतड़ली पर
जाणै पन्ना जड़िया,
चुरा सुरग स्यूं अठै मेलग्यो
कुण इमरत रा घड़िया?
आं अणमोलां आगै लुकग्या
लाजां मरता हीरा।
मरु मायड़ रा मिसरी मधरा
मीठा गटक मतीरा।
कामधेणु रा थण ही धरती
आं में दूया जाणै,
कलप बिरख रै फळ पर स्यावै
निलजो सुरग धिंगाणै।
लीलो कापो गिरी गुलाबी
इन्द्र धणख सा लीरा।
मरु मायड़ रा मिसरी मधरा
मीठा गटक मतीरा।
कुचर कुचर नै खुपरी पीवो
गंगाजळ सो पाणी,
तिस तो कांईं चीज भूख नै
ई री घूंट भजाणी,
हरि-रस हूंतो फीको, ओ रस
जे पी लेती मीरा!
मरु मायड़ रा मिसरी मधरा
मीठा गटक मतीरा।

देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में मारवाड़ी समाज का योगदान अतुलनीय : द्रौपदी मुर्मू

मारवाड़ी समाज का इतिहास गौरवपूर्ण और भविष्य उज्जवलः हरिवंश नारायण सिंह

● श्री गोवर्धन गाड़ोदिया ने किया राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्वग्रहण

"देश एवं प्रदेश को मजबूती प्रदान करने में मारवाड़ी समाज का योगदान अतुलनीय है। वे जहाँ कहीं भी जाते हैं, वहाँ के समाज एवं परम्परा को अपना लेते हैं और उसके सार्थक विकास के लिए पहल करते हैं। वो सिर्फ आर्थिक विकास की ही नहीं सोचते, बल्कि समाज के सर्वांगीण विकास का कार्य करते हैं।" – ये उद्‌गार हैं झारखण्ड प्रदेश की महामहिम राज्यपाल माननीया **श्रीमती द्रौपदी मुर्मू** के जो उन्होंने झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में आयोजित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २६वें राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्‌घाटन समारोह में व्यक्त किये। दो दिवसीय समारोह का आयोजन गत २१-२२ नवम्बर २०२० को हरमू रोड, राँची स्थित मारवाड़ी सम्मेलन भवन में किया गया।

महामहिम राज्यपाल ने कहा कि मारवाड़ी न केवल उद्यमशील होते हैं बल्कि हर क्षेत्र में अव्वल होते हैं। इनका बहुआयामी उद्देश्य सराहनीय है। मारवाड़ी समाज के लोगों ने सामाजिक कुरीतियों के निवारण में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने समाज के लोगों से अपील की कि वे प्रत्येक वंचित परिवार से एक सदस्य को आगे लाने का काम करें। उन्होंने कहा कि झारखंड के लोगों ने उन्हें अपार स्नेह एवं सम्मान दिया है, लगता ही नहीं कि वे ओडिशा की बेटी हैं। उन्हें लगता है जैसे वो झारखंड की ही बेटी हैं।

उद्‌घाटन समारोह का विधिवत शुभारम्भ विशिष्ट अतिथि श्री सुबोधकांत सहाय, निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार पुरोहित एवं श्री पवन कुमार गोयनका, प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, स्वागताध्यक्ष श्री विनय सरावगी तथा अन्य पदाधिकारियों के साथ महामहिम राज्यपाल महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात् महामहिम राज्यपाल महोदया का स्वागत श्रीमती सुशीला गाड़ोदिया एवं सुश्री सुरभि सरावगी द्वारा साफा पहनाकर तथा बूके एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर किया गया। विशिष्ट अतिथि तथा अन्य मंचस्थ पदाधिकारियों का स्वागत बूके तथा स्मृति चिह्न द्वारा किया गया।

समारोह के विशिष्ट अतिथि, पूर्व केन्द्रीय मंत्री **श्री सुबोधकांत सहाय** ने कहा कि देश के उत्थान में मारवाड़ी समाज के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। सेवा-भाव का पर्याय है मारवाड़ी

समाज। कोरोनाकाल में इन्होंने जो किया और जो कर रहे हैं, वो अनुकरणीय है। देश की उन्नति तथा प्रगति में मारवाड़ी समाज हमेशा अग्रणी भूमिका निभाते हैं। मारवाड़ियों की विशिष्टता बताते हुए उन्होंने कहा कि अपनी पीठ सभी थपथपाते हैं, परन्तु कमियाँ कोई नहीं बताता। मारवाड़ी समाज एक ऐसा समाज है जो अपनी कमियों की चर्चा कर उनके निवारण की बात करते हैं। इनको हमेशा देते हुए देखा है, कभी लेते हुए नहीं देखा।

समारोह में वर्चुअल रूप से सम्मिलित सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने अपने संबोधन में मौजूदा सत्र की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि इस सत्र में संगठन-विस्तार का कार्य बहुत सक्रियता से करते हुए दक्षिण भारत के सभी पाँचों राज्यों में प्रादेशिक शाखा का गठन/पुनर्गठन किया गया। इस दौरान सदस्यता-विस्तार में सम्मेलन ने शत-प्रतिशत की वृद्धि की। उन्होंने कहा कि विभिन्न संगोष्ठियों के माध्यम से सम्मेलन ने सामाजिक कुरीतियों के प्रति समाज को जागरूक करने का सफल प्रयास किया। आज वैवाहिक समारोहों में मद्यपान निषेध एवं ई-कार्ड के प्रति समाज जागरूक हुआ है।

उन्होंने श्री गाड़ोदिया को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि अपने कार्यकाल में ये संगठन को और मजबूती प्रदान करें एवं सामाजिक कुरीतियों के निवारण की दिशा में और पहल करें। **श्री सराफ की अनुमति से सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राजकुमार पुरोहित एवं श्री पवन कुमार गोयनका ने माल्यार्पण कर सम्मेलन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया को राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार सौंपा।**

अपने अभिभाषण में **श्री गोवर्धन गाड़ोदिया** ने निर्विरोध निर्वाचन हेतु सभी का आभार व्यक्त किया और कहा कि अपने संस्कार-संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए हमें बदलते सामाजिक परिदृश्य में अनुकूल कदम उठाने होंगे। '**आओ चले हम, संस्कारों की नाव पर, समय की धार पर**', के ध्येय के साथ उन्होंने कहा कि सम्मेलन को और ऊंचाईयों पर ले जाने में उन्हें सबके सहयोग की आवश्यकता होगी। श्री गोड़ोदिया ने कहा कि वे समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर सम्मेलन के सभी कार्यक्रमों को और गति देना चाहेंगे तथा सुसामयिक नये प्रकल्प स्थापित करने को भी प्रयासरत रहेंगे।

अपने उद्‌बोधन में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि झारखंड के लोगों के लिए गौरव की बात है कि प्रादेशिक आतिथ्य में चौथी बार सम्मेलन का अधिवेशन यहाँ हो रहा है और यहाँ से तीसरी बार सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्वाचन हुआ है। उन्होंने महामहिम राज्यपाल को पाँच साल का अपना कार्यकाल पूरा करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह उनकी लोकप्रियता को दर्शाता है। श्री शर्मा ने उनके राष्ट्रपति पद को सुशोभित करने की कामना की। उन्होंने कहा कि समाज सुधार सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य रहा है। पर्दाप्रथा, बाल-विवाह जैसी कुरीतियों के उन्मूलन एवं नारी शिक्षा के समर्थन में सम्मेलन ने धुरीय भूमिका निभाई है। उनके सुफल आज दिख रहे हैं। महिलाओं की स्थिति में बड़ा परिवर्तन आया है, आज वो पुरुषों के समकक्ष खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि समाज ने बड़ी तरक्की की है किन्तु कुछ नयी खामियाँ भी समाज में आई हैं। पूरे राष्ट्र में मारवाड़ी समाज की अग्रणी वैचारिक संस्था के रूप में सम्मेलन का यह कर्त्तव्य है कि इन खामियों पर विचार करे और उनके निवारण का हर सम्भव प्रयास करे। उन्होंने प्रादेशिक सम्मेलनों से संगोष्ठियों के माध्यम से युवाओं को उद्यमशीलता के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही।

वीडियो माध्यम से जुड़ी समारोह की विशिष्ट अतिथि समाजसेविका एवं उद्योगपति **श्रीमती अलका बाँगड़** ने अपने आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन में कार्य करते हुए बहुत कुछ सीखने का सुअवसर प्राप्त हुआ। मैं आज भी भावनात्मक रूप से सम्मेलन से जुड़ी हुई हूँ। कोरोनाकाल में सम्मेलन द्वारा किये जा रहे सेवाकार्यों को प्रशंसनीय बताते हुए उन्होंने कहा कि कोरोना ने हमें बता दिया कि जीवन क्षणभंगुर है। अगले पल क्या होगा, किसी को नहीं पता। ऐसे में, मानव जीवन दूसरों की सेवा के लिए समर्पित होनी चाहिए। इसी समर्पण भाव से सम्मेलन ने कई कुप्रथाओं पर विजय प्राप्त की। बदलते समय में, समाज के समक्ष आ रही समस्याओं के निराकरण के लिए हमें निरंतर कोशिश करनी होगी। उन्होंने महिला शिक्षा एवं अन्य सामाजिक कुरीतियों को दूर करने की दिशा में समाज को और आगे आने के लिए प्रेरित किया।

अधिवेशन की शुरूआत में, निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन गाड़ोदिया ने केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारियों तथा बड़ी संख्या में उपस्थित समाजबंधुओं के साथ अधिवेशन-स्थल पर राष्ट्रध्वज फहराया।

झारखंड के प्रांतीय अध्यक्ष **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल** ने अधिवेशन के आतिथ्य का अवसर देने हेतु आभार व्यक्त करते हुए बताया कि समारोह का आयोजन सरकार द्वारा जारी निर्देशों का पालन करते हुए किया गया। अपने वक्तव्य में उन्होंने युवाओं में संस्कार के अभाव को चिंताजनक बताते हुए कहा कि समाज को इसकी जिम्मेदारी लेते हुए जरूरी कदम उठाने होंगे। उन्होंने प्रदेश में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों के विषय में संक्षिप्त जानकारी दी। समारोह के स्वागताध्यक्ष **श्री विनय सरावगी** ने राजस्थानी भाषा, लोक-परम्परा, संस्कार-संस्कृति आदि को जरूरी बताते हुए अपने घरों में इनके अनुपालन की बात कही।

इस अवसर पर झारखंड सम्मेलन द्वारा प्रकाशित स्मारिका का विमोचन महामहिम राज्यपाल एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा किया गया। स्मारिका का सम्पादन श्री विनोद जैन तथा सह-सम्पादन श्री शम्भु चूड़ीवाला एवं श्री शशांक भारद्वाज द्वारा किया गया।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए स्वागत मंत्री **श्री सुरेश अग्रवाल** ने कहा कि संघे शक्ति कलियुगे का मूलमंत्र लेकर हमारे पूर्वजों ने कठिन परिस्थितियों में सम्मेलन को सींचा। सत्र के संचालन में सर्वश्री **बसंत मित्तल, रवि शर्मा, मीनाक्षी शर्मा** की भी सक्रिय भूमिका रही। **उद्घाटन समारोह में वर्चुअल रूप से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण सर्वश्री नंदलाल रुँगटा, रामअवतार पोद्दार, प्रह्लाद राय अगरवाला, न्यायमूर्ति श्री रमेश मेरठिया, सर्वश्री संजय हरलालका, महेश जालान (बिहार), गोविन्द अग्रवाल (उत्कल), बीरेन्द्र धोका (महाराष्ट्र), राजकुमार पुरोहित (महाराष्ट्र), पवन कुमार गोयनका (दिल्ली), पवन शर्मा, भागचंद पोद्दार, राज कुमार केडिया, बसंत मित्तल, रतनलाल बंका, कमल केडिया, विनोद जैन, प्रमोद गोयनका के अलावा सर्वश्री आत्माराम सोंथलिया, भानीराम सुरेका, दिनेश जैन, अनिल कुमार जाजोदिया, श्रीगोपाल झुनझुनवाला, दामोदर प्रसाद बिदावतका, गोपाल अग्रवाल सहित देशभर से केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति रही।**

२१ नवम्बर २०२० को ही संध्या में, विषय निर्वाचनी समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें अधिवेशन के दौरान विचार हेतु महत्वपूर्ण विषयों पर विचार किया गया।

अधिवेशन के दूसरे दिन, २२ नवम्बर २०२० का शुभारम्भ **'खुला सत्र'** के आयोजन से हुआ जिसमें देश भर से पधारे प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सत्र की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन गाड़ोदिया ने कहा कि मारवाड़ी समाज अपनी पहचान बनाये रखते हुए जहाँ भी जाता है, वहाँ की संस्कृति को भी अंगीकार कर लेता है तथा स्वयं के परिश्रम से अर्जित धन का स्वयं के अलावा लोक-कल्याण हेतु सदुपयोग करता है।

श्री गोवर्धन गाड़ोदिया ने राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में श्री संजय हरलालका के मनोनयन की घोषणा की। श्री हरलालका लम्बे समय से सम्मेलन से सक्रिय रूप से जुड़े हैं तथा कई महत्वपूर्ण पदों का निर्वहन कर चुके हैं। अपने वक्तव्य में श्री हरलालका ने श्री गाड़ोदिया के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की ओर से उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी जायेगी, वो उसका निर्वहन पूरी निष्ठा से करेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने हेतु यथोचित कदम उठाये जायेंगे।

इस अवसर पर निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने भी अपना संबोधन रखा। अपने वक्तव्य में श्री शर्मा ने कहा कि हमारा संगठन मजबूत है। आज इतने समर्थ लोग संगठन में हैं कि पदाधिकारियों का चयन करने में बहुत विकल्प रहते हैं, उनमें से कुछ ही लोगों का चयन करना होता है, इसलिए काफी मशक्कत भी करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि समाज सुधार सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य था, है और रहेगा। परन्तु ये भी सच है कि सेवाकार्य से सम्मेलन अपने आप को अलग नहीं कर सकता। समाज सुधार के साथ-साथ सेवाकार्य भी जारी रहे।

समापन समारोह की शुरूआत करते हुए स्वागताध्यक्ष **श्री विनय सरावगी** ने कहा कि राजस्थानी भाषा देश की समृद्ध भाषाओं में से एक है जिसे प्रारम्भ से ही साहित्यिक मान्यता प्राप्त है। उन्होंने राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता प्रदान करने की बात कहते हुए बताया कि ये देश के लगभग दस करोड़ लोगों की मातृभाषा है।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति माननीय **श्री हरिवंश नारायण सिंह** ने कहा कि मारवाड़ी समाज का इतिहास गौरवपूर्ण रहा है और भविष्य भी उज्जवल है। सम्मेलन का नेतृत्व ऐसे लोगों ने किया है जिनका राष्ट्र के उत्थान में अमूल्य योगदान है। मारवाड़ी समाज देश के औद्योगिक विकास, राष्ट्रहित एवं सेवा सहित समाज के सर्वांगीण विकास में अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि आप जितना अतीत की ओर देखोगे, उतनी ही ताकत आपको भविष्य के लिए मिलेगी। मारवाड़ियों की विशेषता बताते हुए उन्होंने कहा कि ये जिन परिस्थितियों में रहते हैं, उन्हीं में ढल जाते हैं। करोड़ों का व्यापार ये अपनी जुबान से करते हैं। इनसे देश को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने समाज के लोगों से पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए नये उद्योग की स्थापना का आह्वान किया।

अपने वक्तव्य में कोल इंडिया के चेयरमैन **श्री प्रमोद अग्रवाल** ने कहा कि विषम परिस्थितियों में आगे बढ़ना सिखाता है मारवाड़ी समाज। मारवाड़ी धन का अपव्यय नहीं करते परन्तु दान खुले दिल से करते हैं। ये जहाँ भी जाते हैं, वहाँ के माहौल में खुद को ढालकर वहाँ समरस हो जाते हैं। शिक्षा के महत्व को सर्वोपरि बताते हुए उन्होंने कहा कि आज मंदिर बनाने से अधिक श्रेयष्कर है स्कूल और कॉलेज बनवाना। स्कूल, कॉलेज एवं अस्पताल आज समय की आवश्यकता है।

सत्र में विभिन्न प्रस्तावों पर विचार-विमर्श हुआ और राष्ट्रीय एकता, संगठन, संविधान संशोधन, सेवाकार्य, समाज सुधार, राजनैतिक चेतना, भारत रत्न एवं राजस्थानी भाषा विषयक प्रस्ताव पारित हुए।

समापन समारोह का संचालन स्वागतमंत्री **श्री सुरेश अग्रवाल** तथा धन्यवाद-ज्ञापन प्रादेशिक महामंत्री **श्री पवन शर्मा** ने किया। **राष्ट्रगान के साथ समारोह सुसम्पन्न हुआ।**

राँची में आयोजित २६वें राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया का अभिभाषण

झारखंड प्रदेश की महामहिम राज्यपाल, परमादरणीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी, विभिन्न माध्यमों से सम्मिलित समारोह की विशिष्ट अतिथि उद्योगपति-समाजसेविका-विदुषी श्रीमती अलका जी बाँगड़, सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष जी सराफ, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण श्री सीताराम जी शर्मा, श्री नंदलाल जी रुँगटा, डॉ. हरिप्रसाद जी कानोड़िया, श्री रामअवतार जी पोद्दार, श्री प्रह्लाद राय जी अगरवाला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विवेक जी गुप्त, श्री राज जी पुरोहित, श्री पवन कुमार जी गोयनका, झारखंड सम्मेलन के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जी अग्रवाल, पूर्व अध्यक्षगण श्री भागचन्द जी पोद्दार, श्री राजकुमार जी केडिया एवं श्री निर्मल जी काबरा, समारोह के स्वागताध्यक्ष एवं सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विनय जी सरावगी, झारखंड सम्मेलन के महामंत्री श्री पवन जी शर्मा एवं समारोह के स्वागत मंत्री श्री सुरेश जी अग्रवाल, इस कक्ष में उपस्थित एवं पूरे देश से जुड़े सम्मेलन के केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारी एवं साथी सदस्यगण, देवियों एवं सज्जनों,

सर्वप्रथम भगवान विरसा की कर्मभूमि हरित प्रदेश झारखंड की ऐतिहासिक एवं पवित्र नगरी राँची में आप सबका अभिनंदन करता हूँ। हमारे पूरे समाज के लिए यह अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि महामहिम राज्यपाल महोदया हमारे राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्घाट न हेतु हमारे मध्य पधारी हैं और हमारे समारोह की गरिमा बढ़ाई है।

पूरे देश में फैले प्रवासी मारवाड़ी समाज की एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर मेरे निर्विरोध निर्वाचन के लिए आप सबका हार्दिक आभार निवेदित करता हूँ! सम्मेलन के स्थापनाकाल से अब तक हमारे समाज के स्वनामधन्य एवं मनीषी अग्रजों ने इस पद को सुशोभित किया है, अतः मुझ जैसे एक आम कार्यकर्ता के लिए यह भी संकोच का विषय है कि कैसे इस गुरुदायित्व को निभाऊँगा, तथापि सम्बल इस बात का है कि मेरे मार्गदर्शन के लिए मेरे गुरुसमान पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण और हमारे अग्रसोची पूर्वजों के पदचिह्नों के निशान मुझे उपलब्ध हैं। महाकवि बच्चन जी ने कहा है –

यह निशानी मूक होकर भी बहुत कुछ बोलती है,
खोल इसका अर्थ पंथी, पंथ का अनुमान कर ले,
पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले।

इन दोनों सम्बलों और आप सबके सहयोग के बल, मैं अकिंचन अपनी पूरी निष्ठा और क्षमता के साथ, समाज के सम्यक कल्याण एवं सम्मेलन के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए हर सम्भव प्रयास का संकल्प लेता हूँ और इन लक्ष्यों की प्राप्ति में अपने आपको समर्पित करता हूँ!

माना जाता है कि सोलहवीं शताब्दी से ही राजस्थान, हरियाणा और मालवा के भू-भागों से निकल कर मारवाड़ी पूरे देश में फैलने लगे। इनके पास पूँजी के नाम पर ईमानदारी, परिश्रम, कर्मयोग, राष्ट्रप्रेम, अहिंसा, सहनशीलता, सात्विक आहार, परिवार से प्रेम, सहयोग एवं दानशीलता, जैसे संस्कार-निहित गुण ही थे जो इन्हें विरासत में मिले थे। यही गुण प्रवासी जीवन में मारवाड़ी समाज की सफलता के केन्द्र में हैं। मारवाड़ियों का एक और विशिष्ट गुण है कि वे जहाँ कहीं भी रहते हैं उस स्थान की संस्कृति से जुड़ जाते हैं किन्तु अपने वैशिष्टय को बनाये रखते हैं। साथ ही, अपने कर्मक्षेत्र की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। मुझे स्मरण है कि २०१० में सम्मेलन के कौस्तुभ जयन्ती समारोह में अपने अभिभाषण में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने कहा था, 'यह समाज दूध में शक्कर के समान है, जो जल्द ही जहाँ भी जाता है, वहीं घुल-मिल जाता है।'

राष्ट्र के स्वाधीनता संग्राम में मारवाड़ियों की भूमिका हमारे लिये गौरवप्रद है। महात्मा गांधी ने अपने लेखों में घनश्याम दास बिड़ला और जमनालाल बजाज के महती योगदान की मुक्तकंठ से सराहना की है। इस कालखंड में मारवाड़ी युवकों द्वारा क्रांतिकारियों की मदद का विवरण भी इतिहास में मिलता है। भाईजी हनुमान प्रसाद जी पोद्दार का नाम भी इसमें उल्लेखनीय है। पर्दाप्रथा जैसी अनेकों बाधाओं के बावजूद मारवाड़ी महिलाएँ भी पीछे नहीं रहीं। 'भारत छोड़ो' आंदोलन के दौरान कुसुम गुप्ता की भूमिका महत्वपूर्ण थी। जानकी देवी बजाज, इंदुमती गोयनका, कमला देवी एवं सरस्वती गाड़ोदिया जैसी अनेकों महिलाओं ने पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर इस संग्राम में भाग लिया।

स्वतंत्रता-प्राप्ति के पश्चात् राष्ट्रनिर्माण में भी मारवाड़ी समाज की अप्रतिम भूमिका रही। उद्योगों की स्थापना कर राष्ट्र को विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाने से लेकर रोजगार–सृजन में भी समाज अग्रणी रहा है। तथापि कुछ दशकों पूर्व तक मारवाड़ी समाज की पहचान मुख्यतः उद्योग–व्यापार तक ही रही। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि अब समाज के युवक एवं युवतियाँ, अपने परम्परागत क्षेत्रों से बाहर निकल कर चार्टर्ड एकाउंटेंट, वकालत, विभिन्न सरकारी–गैर सरकारी नौकरियों, लेखन–पत्रकारिता, मनोरंजन, खेल आदि जीवन के हर क्षेत्र में अपनी सफलता के परचम लहरा रहे हैं। गत कुछ वर्षों में संघ लोक सेवा आयोग – यू.पी.एस.सी., की प्रतियोगिता में समाज के प्रतिभागियों ने गौरवप्रद प्रदर्शन किया है, अत्यंत उत्साहवर्धक परिणाम प्राप्त किए हैं। यह अत्यन्त सुखद है कि '**समय के साथ चले समाज, पर अतीत पर रहे नाज**'!

इस वर्ष दिसम्बर में सम्मेलन अपनी स्थापना के ८५ वर्ष पूरे कर रहा है। किसी भी सामाजिक संस्था के लिए इतनी लम्बी अवधि तक प्रासंगिक बने रहना एक बड़ी उपलब्धि है। यह इस बात का भी परिचायक है कि हमारे पूर्वजों ने जो आधारशिला रखी थी वह ठोस एवं स्थायी है और साथ ही हमारे अग्रजों ने इसे भली-भाँति सींचकर एक बटवृक्ष का रूप दिया है जिसकी छाँव तले समाज के सर्वांगीण विकास हेतु हम अनवरत प्रयासरत रहें। '**म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति**' के ध्येय एवं समाज–सुधार, राष्ट्रीय एकता और प्रगति के लक्ष्य हेतु समर्पित सम्मेलन ने अपने ८५ सालों के सफर में अनेक उतार–चढ़ाव देखे हैं। विपरीत परिस्थितियों में सामाजिक सुधार के आन्दोलन किए हैं, लाठियाँ भी खाई हैं। लेकिन हमारे नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के अध्यवसाय के सुफल के रूप में जो परिणाम प्राप्त हुए हैं, वे युगान्तरकारी हैं। कविवर दुष्यंत कुमार ने कहा है –

सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,
सारी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।
मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही,
हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए।

सीने में समाज–सुधार की आग लेकर हमारे अग्रजों ने जो कदम उठाये उससे निःसंदेह समाज की सूरत बदली है। जिस समाज में बच्चियों के लिए स्कूल जाने की मनाही थी, उस समाज की महिलायें आज अग्रणी विश्वविद्यालयों की कुलपति हैं। जहाँ स्त्रियों को पर्दे में रहने की बाध्यता थी, वहीं आज महिलायें न सिर्फ पुरुषों के कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं बल्कि आगे भी निकल रही हैं।

लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि समाज समस्यामुक्त हो गया है। ऐसा कोई समाज नहीं होता जिसमें कोई समस्या नहीं हो, परन्तु साथ ही साथ ऐसी कोई समस्या भी नहीं होती जिसका कोई समाधान नहीं हो। समयांतर में समाज की समस्याएँ बदली हैं, कुछ नई कुरीतियाँ भी पनप रही हैं। आज हमारे समाज के समक्ष आडम्बर, फिजूलखर्ची, बुजुर्गों का घटना सम्मान, दाम्पत्य सम्बंधों में कटुता और परिणामस्वरूप टूटते विवाह, नशे की बढ़ती प्रवृति, संस्कारों का ह्रास, पाश्चात्य सभ्यता का अंधानुकरण जिसका उदाहरण प्री-वेडिंग शूटिंग जैसे रवायतें, राजनैतिक चेतना और सक्रियता की कमी, जैसी समस्यायें हैं। अस्थायी ही सही, कोरोना वायरस भी वर्तमान में एक वैश्विक समस्या है और एक प्रबुद्ध समाज के रूप में इससे निपटने और बचने हेतु, आवश्यक कदम उठाना भी हमारा कर्त्तव्य है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी ने लिखा है –

हम कौन थे, क्या हो गये हैं, और क्या होंगे अभी,
आओ विचारें आज मिलकर, यह समस्याएँ सभी।

हम सब साथ आकर, आपसी विचार-विमर्श कर, किसी भी समस्या का समाधान कर सकते हैं। समाज के सभी तबकों, मातृशक्ति और युवाशक्ति को साथ लेकर, पूर्ण रूप से संगठित होकर अगर हम चाहें तो क्या नहीं कर सकते? किन्तु इन सबके मूल में है संगठन – समाज के समक्ष जो चुनौतियाँ हैं, उनसे जूझने के लिए हम सबको साथ आना ही होगा, और यहीं सम्मेलन की उपादेयता और अनिवार्यता सर्वोपरि है। संगठित कदम उठाने के लिए हमारा सम्मेलन एक आदर्श मंच है।

पिछले सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष जी सराफ के नेतृत्व में सम्मेलन ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की, संगठन-विस्तार के क्षेत्र में तो अभूतपूर्व प्रगति हुई, हार्दिक बधाई! मेरा सौभाग्य कि इस सफल टीम में मैं भी सम्मिलित था और यथासम्भव योगदान का मुझे भी अवसर मिला।

आगामी सत्र में संगठन-विस्तार के साथ-साथ हरेक क्षेत्र में कार्यक्रमों की गतिशीलता बनाये रखना और बढ़ाना मेरी प्राथमिकता होगी। सम्मेलन के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रांत, प्रमंडल, जिला, नगर-ग्राम स्तर तक, जहाँ कहीं भी मारवाड़ी हों, उनसे संवाद स्थापित करना, ज्वलंत मुद्दों के प्रति अपने युवक-युवतियों, किशोर-किशोरियों को सजग-शिक्षित करना और '**सबके साथ से सफलता**' प्राप्त करना मेरा ध्येय होगा। मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि इस सामाजिक यज्ञ में आपका आशीर्वाद, स्नेह, समर्थन और सर्वरूपेण सहयोग का वरदहस्त मेरे उपर रहेगा और हम अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में सफल होंगे।

अंत में, आप सबका कृतज्ञ आभार ज्ञापित करते हुए कहना चाहूँगा कि '**आओ चले हम, संस्कारों की नाव पर, समय की धार पर**'!

जय समाज!

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २६वें राष्ट्रीय अधिवेशन के 'खुला सत्र' (२२ नवम्बर २०२०) में पारित प्रस्तावों का सारांश

विषय : संगठन

मारवाड़ी समाज पूरे देश के कोने-कोने में फैला हुआ है एवं उन क्षेत्रों के निवासियों की संस्कृति एवं परिवेश के साथ समरस होकर वाणिज्य-व्यवसाय एवं विभिन्न पेशों में संलग्न हैं। प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद देश के दूर-दराज स्थानों में जा बसना इस समाज के पुरुषार्थ की विशिष्ट कहानी है। इस तरह दूर रह रहे समाज के भाईयों के सामूहिक दु:ख-दर्द और पीड़ा को जानने के लिए, समाज की जो खूबियाँ और श्रेष्ठता है, उनकी खबर अपने समाज को तथा इतर समाज को देने के लिए पूर्वजों ने एक सशक्त राष्ट्रीय संगठन की आवश्यकता को समझते हुए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना की।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन सम्पूर्ण मारवाड़ी समाज की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था है जो अपनी कार्यशैली एवं विचारों के माध्यम से देश के कोने-कोने में बसे समाज के लोगों में आत्मविश्वास एवं सामाजिक एकता की भावना को सुदृढ़ करने के लिए कार्य करता है। समाज के सभी व्यक्तियों को एक सूत्र में आबद्ध करने की दिशा में सफल एवं सार्थक कार्य संपन्न करने हेतु सम्मेलन की सांगठनिक शक्ति को और ज्यादा मजबूत करने की आवश्यकता है।

संगठन का कार्य जमीनी स्तर पर होना आवश्यक है। इसके लिए यह जरूरी है कि नगर, जिला एवं राज्य स्तर पर संगठन को सशक्त एवं प्रभावशाली बनाया जाए। राज्य स्तर एवं राष्ट्र स्तर पर सदस्यता, प्रांतों एवं शाखाओं की सक्रियता, नए प्रांतों में शाखाओं का विस्तार सहित अन्य माध्यमों से समाज के लोगों को जोड़कर सम्मेलन के राष्ट्रीय स्वरूप को मजबूत करना है। एकल सदस्यता लागू होने के बाद शाखा, प्रांत एवं राष्ट्र, त्रिस्तर पर सदस्य जुड़ रहे हैं। एक ओर प्रांतीय सम्मेलनों को इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है, वहीं राष्ट्रीय सम्मेलन को इस हेतु समन्वय, दिशा-निर्देश एवं सक्रिय सहयोग प्रदान करना है।

प्रस्तावक : श्री राज कुमार पुरोहित, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
अनुमोदक : श्री राज कुमार केडिया, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष, झारखंड

विषय : राष्ट्रीय एकता

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का यह अधिवेशन भारत की राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सर्वोपरि मानता है। राष्ट्र की सार्वभौमिकता तथा अखण्डता को चुनौती देने वाली सभी प्रकार की विघटनकारी, आतंकवादी एवं हिंसक प्रवृतियों के विरुद्ध सचेत रहने एवं प्रतिकार करने के लिए समाज आह्वान करता है। प्रांतीयता, क्षेत्रीयता, भाषा, संस्कृति, धर्म एवं सम्प्रदाय के आधार पर अलगाववाद को बढ़ावा देने वाली प्रवृतियों को सम्मेलन देश की एकता के लिए एक खतरनाक चुनौती मानता है। इस तरह की प्रवृतियों के विरुद्ध एवं राष्ट्र में एकता, भाईचारे तथा समरसता की भावना को विकसित करने के लिए सम्मेलन समाज से प्रभावी भूमिका की अपील करता है।

मारवाड़ी समाज ने कभी भी आरक्षण की माँग नहीं की है। समाज देश की "वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना के प्रति प्रतिबद्धता का संकल्प लेता है और किसी तरह की असहिष्णुता के प्रति अपना विरोध व्यक्त करता है।

प्रस्तावक : श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष, झारखंड
अनुमोदक : डॉ. सुभाष अग्रवाल, प्रादेशिक अध्यक्ष, कर्नाटक

विषय : समाज सुधार

समाज में व्याप्त बुराईयों एवं कुप्रथाओं के प्रति सम्मेलन चिंता व्यक्त करता है। "समाज सुधार" सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य एवं कार्यक्रम रहा है। अतीत में सम्मेलन ने बाल-विवाह, मृत्युभोज, पर्दाप्रथा आदि कुप्रथाओं के प्रति समाज को सजग किया था और उनके उन्मूलन में एक महती भूमिका निभाई थी। दहेज प्रथा, आडम्बरपूर्ण वैवाहिक समारोहों तथा वधू-उत्पीड़न जैसी कुरीतियों के प्रति यह अधिवेशन क्षोभ व्यक्त करता है। यह सम्मेलन धन के बढ़ते महत्व, विवाहों में मद्यपान के बढ़ते प्रचलन, गिरते नैतिक एवं सामाजिक मूल्य, बढ़ते तलाक, बुजुर्गों के प्रति घटते सम्मान पर भी चिंता व्यक्ति करता है।

विगत वर्षों में समाज के महिला वर्ग में शिक्षा के प्रति सम्मान बढ़ा है। इसका स्वागत करते हुए सम्मेलन का यह मानना है कि नारी सम्बन्धी विभिन्न सामाजिक समस्याओं के समाधान हेतु उचित पारिवारिक वातावरण एवं सहनशीलता के साथ-साथ नारी को आर्थिक रूप से स्वावलंबी भी बनाना होगा।

प्रस्तावक : श्री पवन कुमार गोयनका, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
अनुमोदक : श्री भागचन्द पोद्दार, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष, झारखंड

विषय : राजनैतिक चेतना और भागीदारी

विश्व के सबसे बड़े गणतांत्रिक देश के रूप में भारत की प्रतिष्ठा सर्वमान्य है। गत कई दशकों से मिली-जुली सरकारों के बाद देश को पूर्ण बहुमत वाली सरकार मिली है। केन्द्र में मिली-जुली सरकार के चलते महत्वपूर्ण एवं दूरगामी नीति-निर्णयों की गति धीमी हुई थी, साथ ही समझौते की राजनीति का राष्ट्र की प्रगति पर प्रभाव पड़ा था। वर्तमान केन्द्र सरकार ने कई महत्वपूर्ण सुधारवादी कदम उठाये हैं। राजनैतिक विरोध के

फलस्वरूप संसद का कार्य ठप हो रहा है, जो चिंता का विषय है। सभी राजनैतिक दल दलगत स्वार्थ से ऊपर उठकर कार्य करें, यह समय का तकाजा है। कई राज्यों में बहुदलीय सरकारें कार्य कर रही हैं। इसलिए केन्द्र सरकार से भी आपसी समझ एवं सामंजस्य आवश्यक है, ताकि देश समय के साथ प्रगति की राह पर आगे बढ़े।

सम्मेलन गणतांत्रिक व्यवस्था का हामी रहा है तथा केन्द्र एवं राज्यों में ऐसी सरकारें चाहता है जो स्थायी, निष्पक्ष, भ्रष्टाचारमुक्त एवं प्रगतिशील हों, जो देश को विकास एवं प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर करते हुए राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता के लिए कटिबद्ध हों।

सम्मेलन मारवाड़ी समाज में राजनैतिक चेतना जागृत कर राजनैतिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर देता है। केन्द्र एवं राज्य स्तर पर मारवाड़ी समाज का राजनैतिक प्रतिनिधित्व अत्यंत कमजोर है। समाज की आबादी एवं देश के विकास में बहुमूल्य योगदान की तुलना में मारवाड़ी समाज की संसद एवं विधानसभाओं में प्रतिनिधित्व की कमी है। मारवाड़ी सम्मेलन समाज की राजनैतिक आवाज और अपनी राजनैतिक भूमिका को प्रभावशाली करने के लिए सभी सदस्यों को राजनैतिक रूप से जागरूक रहने का आह्वान करता है।

प्रस्तावक : श्री महेश जालान, प्रादेशिक अध्यक्ष, बिहार
अनुमोदक : श्री बसंत मित्तल, संयोजक, संगठन-विस्तार उपसमिति

विषय : राजस्थानी भाषा

राजस्थानी भाषा-साहित्य अत्यंत समृद्ध है। गत दशकों में राजस्थानी साहित्य की विभिन्न विधाओं में लेखकों-कवियों-कवयित्रियों-साहित्यकारों ने इसके भण्डार को और अधिक समृद्ध किया है। सम्मेलन लम्बे समय से राजस्थानी साहित्य की श्रीवृद्धि के लिए प्रतिवर्ष सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान तथा केदारनाथ-भागीरथीदेवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान प्रदान कर साहित्यकारों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित कर रहा है। इसके अलावा, समाज के लोगों में भी अपनी भाषा के प्रति लगाव पैदा करने तथा तत्सम्बन्धी साहित्य का वितरण कर इसके प्रति प्रेरित करने का कार्य कर रहा है।

सम्मेलन इस विषय पर क्षोभ, निराशा एवं असंतोष व्यक्त करता है कि विभिन्न स्तर पर आश्वासनों के बाद भी राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है।

सम्मेलन समाज के सांसदों एवं विधानसभा सदस्यों से, केन्द्रीय तथा प्रांतीय सरकार से राजस्थानी भाषा को संवैधानिक एवं राज्यभाषा का सम्मान एवं स्थान देने के लिए ईमानदारी से सक्रिय प्रयास करने का आह्वान करता है।

प्रस्तावक : श्री विनय सरावगी, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
अनुमोदक : श्री रतन लाल बंका, पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष, झारखंड

विषय : सेवाकार्य

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन पूरे भारत के मारवाड़ी समाज की एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था है और गत ८५ वर्षों से समाज के वैचारिक मंच की भूमिका निभा रही है। यद्यपि आपदाओं की स्थिति में सम्मेलन ने सदैव मदद का हाथ बढ़ाया है, सेवाकार्यों में सम्मेलन की भूमिका सीमित रही है। तथापि, पिछले कुछ वर्षों से सम्मेलन ने आवश्यकतानुसार, अपने कतिपय सेवा प्रकल्पों के माध्यम से जनकल्याणकारी कदम उठाये हैं। इनमें महत्वपूर्ण हैं :

शिक्षा : केन्द्रीय सम्मेलन ने एक उच्च शिक्षा कोष का गठन किया है जिससे पूरे देश के मेधावी एवं संसाधनहीन छात्र-छात्राओं को प्रोफेशनल कोर्सों एवं स्नातकोत्तर हेतु अनुदान दिया जाता है। सम्मेलन की प्रादेशिक शाखाएँ भी अपने स्तर से माध्यमिक एवं स्नातक स्तर तक की पढ़ाई के लिए इस प्रकार के विद्यार्थियों की सहायता करते हैं।

आज के युग में शिक्षा के अतुलनीय महत्व के आलोक में, सम्मेलन हर स्तर की अपनी शाखाओं एवं समाजबंधुओं से इस क्षेत्र में यथासम्भव योगदान का आह्वान करता है।

कोरोना राहत सेवाकार्य : कोरोना वायरस एक वैश्विक महामारी के रूप में उभरा है और पूरी मानवता के जीवन, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था एवं जीविका पर संकट के बादल के रूप में छा गया है। न तो इसके संक्रमितों के ईलाज की पद्धति के विषय में कोई निश्चितता है और न ही पूर्णतया सुरक्षित वैक्सीन के ईजाद और आपूर्ति की समय-रेखा के विषय में कोई विश्वस्त जानकारी। इस विपत्ति के समय में संसाधनहीनों एवं वंचितों के सहयोग के लिये मारवाड़ी समाज विभिन्न स्तरों पर सेवा के कार्य कर रहा है।

कोरोना राहत के सेवाकार्यों के सुगठित और सुनियोजित सम्पादन हेतु केन्द्रीय सम्मेलन ने कोरोना राहत सेवाकार्य समिति का गठन किया है और समिति द्वारा अब तक दो प्रकल्प हाथ में लिए गए हैं।

१. **निःशुल्क मास्क वितरण** : इस प्रकल्प के अंतर्गत अब तक एक लाख मास्क सम्मेलन के प्रादेशिक शाखाओं के माध्यम से पूरे देश में निःशुल्क वितरित किए गए हैं। केन्द्रीय सम्मेलन जनहित के इस प्रकल्प में सक्रिय भूमिका हेतु प्रादेशिक सम्मेलनों एवं उनकी शाखाओं का हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

२. **मारवाड़ी सम्मेलन निःशुल्क भोजनालय** : इस प्रकल्प के अन्तर्गत प्रतिदिन कोलकाता के विभिन्न स्थानों पर तीन सौ संसाधनहीन लोगों को निःशुल्क भोजन कराया जाता है। यह एक पायलट प्रोजेक्ट है और देश के अन्य शहरों में भी यह प्रकल्प प्रारम्भ करने की योजना विचाराधीन है। सम्मेलन अपने प्रादेशिक शाखाओं से, अपनी सम्बद्ध शाखाओं के साथ मिलकर, अपने प्रांत के शहरों-नगरों में मारवाड़ी सम्मेलन निःशुल्क भोजनालय प्रकल्प चलाने की व्यवहार्यता/सम्भावना पर विचार एवं क्रियान्वयन का अनुरोध करता है।

कोरोनाजनित विकट परिस्थितियों के आलोक में, एक प्रबुद्ध समाज की प्रतिनिधि संस्था के रूप में, सम्मेलन सभी समाजबंधुओं से केन्द्रीय, प्रांतीय एवं स्थानीय स्वास्थ्य विभागों द्वारा जारी निर्देशों के अक्षरशः अनुपालन का आह्वान करता है।

प्रस्तावक : श्री गोविन्द अग्रवाल, प्रादेशिक अध्यक्ष, उत्कल
अनुमोदक : श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

विषय : भारत रत्न

डॉ. राम मनोहर लोहिया प्रखर समाजवादी, यथार्थवादी एवं मौलिक चिंतक थे। उन्होंने राजनीतिक शुचिता में एक नयी मिशाल कायम की। वे अपनी निर्भीक राय व्यक्त करने में कभी संकोच नहीं करते थे। उन्होंने अपने चिंतन से भारतीय राजनीति को एक नयी दिशा दी।

अंग्रेजों के शासनकाल में कोई उद्योगपति ब्रिटिश सरकार का विरोध करते हुए राष्ट्रीय आंदोलन का समर्थन करे, यह कल्पनातीत था। परन्तु, घनश्याम दास बिड़ला ने इसे संभव कर दिखाया। उनके सहयोग के बिना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का आंदोलन अधूरा था। वे राष्ट्र के औद्योगिक विकास के कर्णधार एवं स्वतंत्रता आंदोलन के पुरोधा थे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का यह अधिवेशन सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करता है कि डॉ. राम मनोहर लोहिया और घनश्याम दास बिड़ला की राष्ट्र के प्रति की गयी सेवाओं के लिए उन्हें मरणोपरांत "भारत रत्न" की उपाधि से विभूषित किया जाए।

प्रस्तावक : श्री विनय सरावगी, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
अनुमोदक : श्री रवि शर्मा, जिला अध्यक्ष, राँची सम्मेलन

विषय : संविधान-संशोधन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०१८-२० के दौरान, सम्मेलन के सुचारु संचालन एवं नियम-उपनियमों को समयानुकूल बनाये रखने हेतु, सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति द्वारा सम्मेलन के संविधान में कतिपय संशोधन किये गए जिनका विवरण संलग्न है।

सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की १६ दिसम्बर २०१८, ०६ अप्रैल २०१९ एवं ०७ जुलाई २०१९ को आयोजित बैठकों तथा संविधान-संशोधन उपसमिति की बैठकों में इन संशोधनों पर गहन विचार-मंथन हुआ और इनकी अनुशंसा की गई। तत्पश्चात् ०३ मार्च २०१९ और २४ सितम्बर २०१९ को आयोजित अखिल भारतीय समिति की बैठकों में विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, इन्हें पारित किया गया है।

प्रस्ताव है कि इन संशोधनों को अधिवेशन द्वारा पारित किया जाये।

प्रस्तावक : श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला, राष्ट्रीय महामंत्री
अनुमोदक : श्री संजय हरलालका, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री

राजस्थानी कविता

सर्दी आई, सर्दी आई

सर्दी आई, सर्दी आई।
काडो कंबल और रिजाई।।

दिन ढलतांई पोली जड़की
टाबरियां पर दादी कड़की
सोज्यावो सब होय'र भेला
धाबां री घूरी में बड़की
होज्यावैगी नहीं पिटाई।
सर्दी आई, सर्दी आई।।

सब समझै है दादी स्याणी
इण नै नींद नहीं है आणी
नहीं सुणावूंगी जद ताणी
इण नै कोई नुवीं कहाणी
भरकै हेत हिये हरसाई।
सर्दी आई, सर्दी आई।।

जी! भरवाल्यो एक सोड़ियो
अबकालै तो घणो कोडियो
पड़सी पालो यूं कैरयो हो
मंदिर हालो आज मोडियो
ताऊ नै यूं बोली ताई।
सर्दी आई, सर्दी आई।।

सर्दी हर मौसम सूं बढ़की
तू गरीब रै हरदम रड़की
कुण ले आयो तनै पकड़ की
मत आ चाल रयी है कड़की
जद हटज्या कड़की आज्याई।
सर्दी आई, सर्दी आई।।

– ताऊ शेखावाटी

श्रद्धांजलि

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री विश्वनाथ मारोठिया का आकस्मिक निधन गत २४ नवम्बर २०२० को कोलकाता में हो गया। स्वर्गीय मारोठिया एक समर्पित समाजसेवी थे एवं जनकल्याण के कार्यों में सदैव तत्पर रहते थे। **सम्मेलन परिवार की ओर से दिवंगत पुण्यात्मा को विनम्र-कृतज्ञ श्रद्धांजलि!**

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २६वें राष्ट्रीय अधिवेशन के 'खुला सत्र' (२२ नवम्बर २०२०) में सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति से प्रस्ताव

संविधान–संशोधन प्रस्ताव

संविधान की वर्तमान धारा	संशोधित धारा
४(३) जिला सभा	४(३) जिला/प्रमंडल सम्मेलन
५(अ)(२) सम्मेलन के सदस्य पाँच प्रकार के होंगे:– (अ) साधारण सदस्य (ब) विशिष्ट सदस्य (स) आजीवन सदस्य (द) संरक्षक सदस्य (ई) विशिष्ट संरक्षक सदस्य	५(अ)(२) सम्मेलन के सदस्य चार प्रकार के होंगे:– (अ) वार्षिक सदस्य (ब) आजीवन सदस्य (स) संरक्षक सदस्य (द) विशिष्ट संरक्षक सदस्य
५(अ)(२)(क) कम से कम १०० रुपये वार्षिक शुल्क दे, वह व्यक्ति सम्मेलन का साधारण सदस्य माना जायेगा।	यह धारा हटा दी जाये।
५(अ)(२)(ख) कम से कम ५०० रुपये वार्षिक शुल्क दे, वह व्यक्ति सम्मेलन का विशिष्ट सदस्य माना जायेगा।	५(अ)(२)(क) कम से कम ५०० रुपये वार्षिक शुल्क दे, वह व्यक्ति सम्मेलन का वार्षिक सदस्य माना जायेगा।
५(अ)(२)(ग) कम से कम २,५०० रुपये की राशि दे, वह व्यक्ति सम्मेलन का आजीवन सदस्य माना जायेगा।	५(अ)(२)(ख) कम से कम ५,००० रुपये की राशि दे, वह व्यक्ति सम्मेलन का आजीवन सदस्य माना जायेगा। **इस संशोधन की प्रभावी तिथि ०१ जुलाई २०१९ होगी।**
७ संगठनात्मक कार्यों के लिए प्रादेशिक सम्मेलन अपनी सुगमता देखकर प्रमंडलीय/जिला सम्मेलन का गठन कर सकेगा। चुनाव एवं आय-व्यय विवरण सम्बंधी नियम शाखा सम्मेलन के उपरोक्त नियमों ६(३)(४) के अनुसार होंगे।	७ संगठनात्मक कार्यों के लिए प्रादेशिक सम्मेलन अपनी सुगमता देखकर प्रमंडलीय/जिला सम्मेलन का गठन कर सकेगा। प्रमंडलीय/जिला सम्मेलन के चुनाव शाखा सम्मेलन के उपरोक्त नियम ६(३) के अनुसार होंगे।
८(३) हर एक प्रादेशिक सम्मेलन के पदाधिकारियों तथा उसकी प्रादेशिक समिति का कार्यकाल दो वर्ष का होगा। इसके पिछले निर्वाचन से यदि किसी कारणवश ३ वर्ष के अन्दर प्रादेशिक सम्मेलन के नये पदाधिकारियों का चुनाव नहीं हो जाये तो वर्तमान पदाधिकारी स्वतः ही अपने पद से मुक्त माने जायेंगे और उसके सभी अधिकार केन्द्रीय सम्मेलन में निहित होंगे। केन्द्रीय सम्मेलन की कार्यकारिणी समिति को अगले तीन माह के भीतर उस प्रदेश का आगामी अधिवेशन बुलाने और नये पदाधिकारियों के चुनाव के आयोजन के लिए एक तदर्थ समिति बनाने का अधिकार होगा। ऐसी तदर्थ समिति का अधिकतम कार्यकाल एक वर्ष का होगा।	८(३) हर एक प्रादेशिक सम्मेलन के पदाधिकारियों तथा उसकी प्रादेशिक समिति का कार्यकाल दो वर्ष का होगा। इसके पिछले निर्वाचन से यदि किसी कारणवश २ वर्ष के अन्दर प्रादेशिक सम्मेलन के नये चुनाव न हो जाये तो अगले तीन माह के भीतर चुनाव में विलम्ब का कारण बताते हुए केन्द्र की अनुमति ली जानी चाहिए और केन्द्र के निर्देश का पालन होना चाहिए अन्यथा छः माह के भीतर वर्तमान पदाधिकारी स्वतः अपने पद से मुक्त माने जायेंगे और उसके सभी अधिकार केन्द्रीय सम्मेलन में निहित होंगे। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष को तत्काल उस प्रदेश का आगामी अधिवेशन बुलाने और नये पदाधिकारियों के चुनाव के आयोजन के लिए एक तदर्थ समिति को बनाने का अधिकार होगा। ऐसी तदर्थ समिति का अधिकतम कार्यकाल तीन माह का होगा।
९(५)(क)(४) उपरोक्त प्रत्येक श्रेणी में निर्वाचित सदस्यों की संख्या २५ से अधिक नहीं होगी। उक्त निर्धारित सदस्यता अनुपात के अभाव में सम्बंधित प्रादेशिक सम्मेलन को अपनी कार्यकारिणी समिति की सहमति से सभी श्रेणियों से मिलाकर अधिकतम ५ सदस्य मनोनीत करने का अधिकार होगा।	९(५)(क)(४) संरक्षक एवं आजीवन सदस्य श्रेणियों से निर्वाचित सदस्यों की संख्या ३५ से अधिक नहीं होगी। वार्षिक सदस्य श्रेणी में निर्वाचित सदस्यों की अधिकतम संख्या २५ होगी। उक्त निर्धारित सदस्यता अनुपात के अभाव में सम्बंधित प्रादेशिक सम्मेलन को अपनी कार्यकारिणी समिति की सहमति से सभी श्रेणियों से मिलाकर अधिकतम ५ सदस्य मनोनीत करने का अधिकार होगा।

संविधान की वर्तमान धारा	संशोधित धारा
९(९) अखिल भारतीय समिति के दो वर्षीय सत्र का सदस्यता शुल्क २०० रुपये होगा।	९(९) अखिल भारतीय समिति के दो वर्षीय सत्र का सदस्यता शुल्क ५०० रुपये होगा। निर्वाचन/मनोनयन के ६ माह के अन्दर यह शुल्क नहीं देने पर निर्वाचित/मनोनीत सदस्य की अखिल भारतीय समिति की सदस्यता निरस्त हो जाएगी। **पदेन सदस्यों को यह शुल्क नहीं देना होगा।**
९(१३) अखिल भारतीय समिति की बैठक की सूचना बैठक की तिथि से १५ दिन पहले सदस्यों को भेजनी होगी।	९(१३) अखिल भारतीय समिति की बैठक की सूचना बैठक की तिथि से २५ दिन पहले सदस्यों को भेजनी होगी।
१०(५) राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक का स्थान तथा समय राष्ट्रीय महामंत्री राष्ट्रीय अध्यक्ष की सलाह से निश्चित करेंगे। साधारणतः कम से कम तीन महीने में एक बैठक होगी। बैठक की सूचना ७ दिन पूर्व देना आवश्यक है किन्तु आवश्यक कारणों से तीन दिन की सूचना पर बैठक आयोजित की जा सकती है।	१०(५) राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक का स्थान तथा समय राष्ट्रीय महामंत्री राष्ट्रीय अध्यक्ष की सलाह से निश्चित करेंगे। साधारणतः कम से कम तीन महीने में एक बैठक होगी। बैठक की सूचना २१ दिन पूर्व देना आवश्यक है किन्तु आवश्यक कारणों से तीन दिन की सूचना पर बैठक आयोजित की जा सकती है।
१३(३) सभी प्रकार के अधिवेशनों के लिए कोरम ३१ सदस्यों का होगा एवं २१ दिन पूर्व सूचना भेजना आवश्यक होगा।	१३(३) सभी प्रकार के अधिवेशनों के लिए कोरम ३१ सदस्यों का होगा एवं कम से कम ३० दिन पूर्व सूचना भेजना आवश्यक होगा।
१६ प्रतिनिधि निर्वाचन : सम्मेलन का प्रत्येक सदस्य सम्मेलन के अधिवेशन में निर्धारित शुल्क देकर प्रतिनिधि बन सकेगा और प्रतिनिधि शुल्क या उसके निर्धारित हिस्से पर केन्द्र का अधिकार होगा।	१६ प्रतिनिधि पंजीकरण : सम्मेलन का प्रत्येक सदस्य सम्मेलन के अधिवेशन में निर्धारित शुल्क देकर प्रतिनिधि बन सकेगा और प्रतिनिधि शुल्क या उसके निर्धारित हिस्से पर केन्द्र का अधिकार होगा। निर्धारित प्रतिनिधि शुल्क देकर समाज का कोई भी व्यक्ति अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में भाग ले सकता है।
२०(२) साधारण अधिवेशन की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष करेंगे। शेष पदाधिकारियों का मनोनयन राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा किया जायेगा। पदाधिकारियों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा, किन्तु जब तक नवीन चुनाव न हो जायेगा तब तक वही पदाधिकारी कार्यभार सम्हाले रहेंगे। लेकिन किसी कारणवश ४ वर्ष के अन्दर नये राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो पाता है तो वर्तमान पदाधिकारी स्वतः ही अपने पद से मुक्त माने जायेंगे और अखिल भारतीय समिति को अधिकार होगा कि तीन महीने में नये पदाधिकारियों का आगामी अधिवेशन बुलाने के लिए चुनाव कर लेवें। ऐसे पदाधिकारियों का अधिकतम कार्यकाल अधिकतम एक वर्ष होगा।	२०(२) साधारण अधिवेशन की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष करेंगे। शेष पदाधिकारियों का मनोनयन राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा किया जायेगा। पदाधिकारियों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा, किन्तु जब तक नवीन चुनाव न हो जायेगा तब तक वही पदाधिकारी कार्यभार सम्हाले रहेंगे। लेकिन किसी कारणवश ३ वर्ष के अन्दर नये राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो पाता है तो वर्तमान पदाधिकारी स्वतः ही अपने पद से मुक्त माने जायेंगे और अखिल भारतीय समिति को अधिकार होगा कि तीन महीने में नये पदाधिकारियों का आगामी अधिवेशन बुलाने के लिए चुनाव कर लेवें। ऐसे पदाधिकारियों का अधिकतम कार्यकाल अधिकतम एक वर्ष होगा।

संक्षिप्त परिचय : श्री संजय हरलालका

राष्ट्रीय महामंत्री, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

११ जून १९६८ को मध्यमवर्गीय परिवार में जन्म लेने वाले श्री संजय हरलालका के पिता का नाम श्री शंकरलाल हरलालका तथा माता का नाम स्व. प्रेमलता हरलालका है। मूल रूप से राजस्थान के पैतृक गाँव मण्डावा निवासी श्री हरलालका के पूर्वज १९४०-४५ के आसपास रोजी-रोटी की तलाश में कलकत्ता (अब कोलकाता) आकर बस गये थे। आपकी जन्मस्थली बम्बई और कर्मभूमि शैशव काल से ही कोलकाता रही। कोलकाता के मिनी राजस्थान कहे जाने वाले बड़ाबाजार में आपका निवास था। यूं तो आप ५ भाई-बहन थे किन्तु कालान्तर में घटी घटनाओं के बाद आज सिर्फ दो ही हैं, एक बड़ी बहन विवाहिता है। फिलहाल आप कोलकाता के संभ्रान्त क्षेत्र लेकटाऊन में निवास करते हैं।

प्रारम्भिक शिक्षा (कक्षा-५) कोलकाता के ही श्री राधेश्याम विद्यालय में हुई। तत्पश्चात कक्षा ६ से उच्च माध्यमिक तक की पढ़ाई प्रतिष्ठित श्री जैन विद्यालय से पूर्ण की। बी.कॉम करने की अभिलाषा के साथ उमेश चन्द्र कॉलेज में दाखिला लिया। कॉलेज का वातावरण पूर्णरूपेण शिक्षा के अनुकूल नहीं होने के बावजूद एक वर्ष तक यहाँ शिक्षा ग्रहण की। इसी बीच पारिवारिक परिस्थितिवश पढ़ाई को बीच में ही छोड़कर पिता के अखबारी पेशे सांध्यकालीन दैनिक पत्र 'सेवा संसार' तथा प्रींटिंग व्यवसाय से जुड़ना पड़ा। जिम्मेदारियों के बोझ ने कब अल्हड़पन से परिपक्वता की ओर कदम बढ़ा दिया, पता ही नहीं चला।

पत्रकारिता के पेशे के दौरान ही आपको जेल यात्रा भी करनी पड़ी। ६ दिसम्बर १९९२ को बाबरी मस्जिद विध्वंस की घटना से पूरे देश में उबाल था। विध्वंसकारी ताकतें सड़क पर नंगा नाच कर रही थीं। इससे आपके युवा खून में भी उबाल आ गया। पत्रकारिता का कर्तव्य सिर चढ़कर बोलने लगा और कलम चल पड़ी। इसका प्रतिकूल असर हुआ और कलकत्ता के बड़ाबाजार में एक-दो जगहों पर उपद्रवी ताकतों ने आगजनी को अंजाम दे दिया। उस वक्त पश्चिम बंगाल में वाममोर्चा का शासन था। सत्तापक्ष के साथ अखबार का सम्पर्क 'विपक्ष' की तरह था। वही हुआ, जो होना था। पुलिस मुख्यालय लालबाजार से अखबार के कार्यालय तथा प्रींटिंग प्रेस पर छापा मार कर सील कर दिया गया। देशद्रोह का चार्ज लगाकर दो-तीन कर्मचारियों सहित आपकी गिरफ्तारी हुई। अदालत ने ७ दिनों की पुलिस हिरासत दे दी। कुछ वर्षों बाद पुलिस के चार्जशीट जमा न देने पर स्वतः यह मामला खत्म हो गया।

इस घटना के करीब डेढ़ माह बाद २७ जनवरी १९९३ को आपका विवाह बम्बई के गौरीसरिया परिवार की बेटी सुनीता के साथ कलकत्ता में हुआ। विवाह के तीन वर्ष के अंतराल में ही आपको एक पुत्र तथा एक पुत्री की प्राप्ति हुई। आज आपके दोनों बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट हैं तथा प्रतिष्ठित फर्मों में उच्च पद पर कार्यरत हैं। आपकी धर्मपत्नी पूर्णरूपेण गृहिणी हैं।

वर्तमान में आप कोलकाता से गत ३७ वर्षों से प्रकाशित सांध्यकालीन पत्र 'सेवा संसार' के मालिक तथा सम्पादक हैं। इसके अलावा विज्ञापन एजेन्सी तथा प्रींटिंग के व्यवसाय से भी जुड़े हैं।

समाजसेवा की ओर रूझान पिता की प्रेरणा एवं कार्यों से हुआ। वे कई सामाजिक संस्थाओं से सक्रिय तौर पर जुड़े थे। 'सेवा संसार सेवा शिविर' नामक संस्था का गठन कर वे प्रत्येक वर्ष प्रतिष्ठित गंगासागर, तारकेश्वर के अलावा कुंभ मेलों में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानन्दजी महाराजा के कैम्प में शिविर लगाकर लोगों को निःशुल्क खान-पान तथा चाय सेवा उपलब्ध करवाते थे।

आप कोलकाता की प्रेम मिलन (कोलकाता), नागरिक स्वास्थ्य संघ जैसी स्वनामधन्य संस्थाओं में अपनी सेवाएँ देने के पश्चात सम्मेलन से सक्रिय तौर पर जुड़े। २००८ में दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के पश्चात श्री नंदलाल जी रुँगटा ने आप पर विश्वास व्यक्त करते हुए सम्मेलन का राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री नियुक्त किया था। सम्मेलन के अभिभावक श्री सीताराम जी शर्मा से समय-समय पर मिले मार्गदर्शन की बदौलत उस वक्त से शुरू हुए सम्मेलन के साथ के करीबी सम्बन्ध की अनवरत यात्रा आज तक जारी है। डॉ. हरिप्रसाद जी कानोड़िया के कार्यकाल में पुनः राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री का भार निभाने के बाद आपको श्री रामअवतार जी पोद्दार तथा श्री प्रह्लाद राय जी अगरवाला के नेतृत्व में बतौर राष्ट्रीय संगठन मंत्री काम करने का सुअवसर मिला। विगत कार्यकाल में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने आपकी कार्यशैली पर विश्वास जताते हुए एक बार पुनः आपको राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री का दायित्व सौंपा। इस तरह गत १३ वर्षों में तीन बार राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री तथा दो बार राष्ट्रीय संगठन मंत्री के दायित्व का निर्वहन का सफर तय करने के पश्चात आप वर्तमान सत्र (२०२०-२२) के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया द्वारा राष्ट्रीय महामंत्री मनोनीत किये गये हैं। सम्मेलन के ८५ वर्षों के इतिहास में यह पहला अवसर है कि कोई व्यक्ति ६ठवें राष्ट्रीय अध्यक्ष के अधीन पदासीन होकर कार्य कर रहा है।

राँची में आयोजित २६वें राष्ट्रीय अधिवेशन में सत्र २०१८-२० के क्रियाकलापों पर राष्ट्रीय महामंत्री का प्रतिवेदन

– श्रीगोपाल झुनझुनवाला

परम आदरणीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी, महामहिम राज्यपाल, झारखंड, अग्रणी समाजसेवी-उद्योगपति-विदुषी श्रीमती अलका जी बाँगड़, सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष जी सराफ, निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद जी गाड़ोदिया, समारोह के स्वागताध्यक्ष श्री विनय जी सरावगी, सम्मेलन के वर्तमान एवं पूर्व राष्ट्रीय-प्रांतीय पदाधिकारीगण, प्रदेशों से पधारे प्रतिनिधिगण, सम्मान्य सदस्य-कार्यकर्ता, मातृशक्ति, युवा दोस्तों,

जून २०१८ में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का २५वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन वाराणसी में सम्पन्न हुआ था। अधिवेशन में श्री संतोष जी सराफ ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया था। सत्र २०१८-२० के लिये श्री सराफ ने राष्ट्रीय महामंत्री मनोनीत कर मुझ पर जो विश्वास प्रकट किया, उसके लिए मैं हृदय से उनका आभारी हूँ!

०९ जून २०१८ से प्रारम्भ हुआ वर्तमान सत्र अत्यंत गतिशील रहा। अपने नियमित एवं पुराने कार्यक्रमों की गतिवृद्धि करते हुए, समयानुसार कई प्रासंगिक एवं सटीक कार्यक्रम हाथ में लिए गए। यह सत्र उतार-चढ़ाव से भरा रहा। वैश्विक महामारी कोरोना ने मानवता पर संकट के बादल खड़े किए। अनिश्चितता की स्थिति के बीच मनुष्य दुविधापूर्ण जीवन जीने को बाध्य हुआ। सम्मेलन ने इस दिशा में भी तत्परता से कदम बढ़ाए।

निरंतर गतिविधियों के बीच समय पंख लगाकर उड़ा और सत्र कब समाप्त हुआ इसका भान ही नहीं हुआ। अब मैं इस सत्र की प्रमुख गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

मील के पत्थर

संगठन विस्तार : वर्तमान सत्र में संगठन-विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। प्रादेशिक शाखाओं ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। केन्द्रीय कार्यालय एवं प्रादेशिक शाखाओं के सम्मिलित प्रयासों के सुफल के रूप में वर्तमान सत्र में कुल १२,६२५ नये सदस्य बने। इनमें ११९ विशिष्ट संरक्षक सदस्य, ३० संरक्षक स्दस्य, १२,४७४ आजीवन, यानि कुल १२,६२३ स्थायी सदस्य बने। सत्र के दौरान संगठन-विस्तार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु उत्कल (३,२५१ नये सदस्य), बिहार (३,३२१ नये सदस्य), पूर्वोत्तर (२,५२२ नये सदस्य), पश्चिम बंग (१,६४७ नये सदस्य) प्रादेशिक शाखाएँ साधुवाद के पात्र हैं। झारखंड, दिल्ली, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु में भी सक्रियता बढ़ी है।

कुल मिलाकर वर्तमान सत्र में सम्मेलन की सदस्य संख्या में लगभग ९७ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई जो अभूतपूर्व है।

दक्षिण भारत में पैठ : वर्तमान सत्र के प्रारम्भ में दक्षिण भारत में मात्र आन्ध्र प्रदेश में सम्मेलन की प्रादेशिक शाखा थी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने दक्षिण भारत में सम्मेलन की पैठ बढ़ाने को एक चुनौती की तरह लिया और इसके लिए सभी पदाधिकारियों का आह्वान किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्षों सर्वश्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पवन कुमार गोयनका एवं श्री अनिल जाजोदिया ने पहल की। श्री बसंत कुमार मित्तल को दक्षिण भारत में सम्मेलन के संगठन-विस्तार का प्रभारी बनाया गया, जिन्होंने समर्पित भाव से इस उपलब्धि की प्राप्ति हेतु अथक प्रयास किया। इन सबके सम्मिलित प्रयासों से तेलंगाना (अगस्त २०१८), तमिलनाडु (दिसम्बर २०१८), कर्नाटक (जनवरी २०१९), आन्ध्र प्रदेश (जुलाई २०१९) एवं केरल (फरवरी २०२०) में प्रादेशिक शाखाएँ गठित/पुनर्गठित की गई और आज सुचारु रूप से दक्षिण भारत में सम्मेलन की पैठ बढ़ा रही है।

महत्वपूर्ण क्रियाकलाप

समितियों की बैठकें : सत्र २०१८-२० में समयानुसार अखिल भारतीय समिति की चार, राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की नौ, राष्ट्रीय स्थायी समिति की सात तथा वर्ष २०१८, २०१९ एवं २०२० में समयानुसार वार्षिक साधारण सभाएँ आयोजित की गई।

प्रादेशिक चुनाव एवं अधिवेशन : इस सत्र के दौरान आयोजित विभिन्न प्रादेशिक शाखाओं के चुनावों एवं अधिवेशनों का विवरण निम्नवत है।

तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : ०२ अगस्त २०१८ को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया की उपस्थिति में हैदराबाद में एक सभा आयोजित कर तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना हुई और सर्वसम्मति से श्री रमेश कुमार बंग इसके संस्थापक अध्यक्ष मनोनीत हुए।

तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : ९ दिसम्बर २०१८ को चेन्नै स्थित डी.जी. वैष्णव कॉलेज में, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी की उपस्थिति में, एक बैठक का आयोजन कर तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का पुनर्गठन किया गया। बैठक में श्री अशोक मूँधड़ा निर्विरोध तमिलनाडु सम्मेलन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : ३० जनवरी २०१९ को बेंगलुरु में एक बैठक का आयोजन कर कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का पुनर्गठन किया गया। सम्मेलन की सदस्यता-विस्तार उपसमिति के संयोजक श्री बसंत कुमार मित्तल केन्द्रीय सम्मेलन के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित थे। बैठक में सर्वसम्मति से डॉ. सुभाष अग्रवाल को कर्नाटक सम्मेलन का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

२ मार्च २०१९ को बेंगलुरु स्थित होटल गोल्ड फिंच में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ एवं अन्य केन्द्रीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल ने

कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

आन्ध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : २८ जुलाई २०१९ को विशाखापट्टनम् स्थित ह्वाईट हाउस होटल में एक समारोह आयोजित कर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने पारम्परिक ढंग से निर्वाचित अध्यक्ष श्री चांदमल अग्रवाल को आन्ध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : २४ नवम्बर २०१९ को आयोजित बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की प्रादेशिक सभा में बिहार सम्मेलन के अगले सत्र के लिए श्री महेश जालान के प्रादेशिक अध्यक्ष निर्वाचित होने की घोषणा की गई। उन्होंने २७ सितम्बर २०२० को वीडियो माध्यम से आयोजित बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की प्रादेशिक सभा में पदभार ग्रहण किया।

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : ५ जनवरी २०२० को कीर्तिनगर, दिल्ली स्थित पालाजो बैंक्वेट हॉल में दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का चौथा प्रादेशिक अधिवेशन आयोजित किया गया जिसमें निर्वाचित अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया ने अधिवेशन के दौरान पदभार ग्रहण किया।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : २६ जनवरी २०२० को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की राज्य परिषद की बैठक में श्री गोविन्द अग्रवाल उत्कल सम्मेलन के अगले सत्र के लिए निर्विरोध प्रादेशिक अध्यक्ष निर्वाचित हुए। २९ अप्रैल २०२० को उन्होंने उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष का दायित्व ग्रहण किया।

केरल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : १४ फरवरी २०२० को केरल के कोच्चि-स्थित ओलाईव डाउनटाउन होटल में एक शपथग्रहण समारोह का आयोजन हुआ जिसमें श्री संतोष सराफ ने केरल सम्मेलन के निर्वाचित अध्यक्ष श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल को शपथ दिलाकर पदभार दिया।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन : गत १४-१५ मार्च २०२० को झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का प्रादेशिक अधिवेशन हरमू रोड, राँची स्थित मारवाड़ी भवन में आयोजित किया गया। अधिवेशन में श्री ओम प्रकाश अग्रवाल ने झारखंड सम्मेलन के प्रादेशिक अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा दौरे : संगठन-विस्तार और महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श हेतु इस सत्र में राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने निम्नवत दौरे किये।

११-१२ अक्तूबर २०१८ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने, उत्तर प्रदेश के प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल कुमार जाजोदिया एवं उत्तर प्रदेश सम्मेलन के अध्यक्ष श्री उमाशंकर अग्रवाल के साथ उत्तर प्रदेश का दो-दिवसीय दौरा किया। दौरे के क्रम में बहराइच, लखनऊ एवं गोण्डा में सभाएँ/बैठकें हुई।

२७-२८ अक्तूबर २०१८ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ सूरत, गुजरात का दौरा किया। दौरे के क्रम में गुजरात में सम्मेलन के संगठन-विस्तार हेतु महत्वपूर्ण बैठकें हुई और राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने गुजरात सम्मेलन द्वारा आयोजित 'मारवाड़ गौरव सम्मान – २०१८' समारोह में शिरकत की।

९ से ११ दिसम्बर २०१८ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने झारखंड का तीन-दिवसीय दौरा किया। दौरे में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया एवं राष्ट्रीय सदस्यता-विस्तार उपसमिति के संयोजक श्री बसंत मित्तल राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ थे। दौरे के क्रम में राँची के मारवाड़ी सहायता समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्री सराफ ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। राँची, रामगढ़, हजारीबाग में बैठकें भी हुई।

११ फरवरी २०१९ को सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने पूर्वोत्तर का दौरा किया। दौरे के क्रम में उन्होंने गुवाहाटी में पूर्वोत्तर सम्मेलन के वर्तमान एवं पूर्व अधिकारियों के साथ संगठन सम्बंधी विभिन्न मुद्दों पर व्यापक विचार-विमर्श किया।

गत १४-१५ जनवरी २०२० को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने उत्कल का दो-दिवसीय दौरा किया। दौरे के अन्तर्गत उन्होंने १५ जनवरी २०२० को अइँठापाली, सम्बलपुर में मारवाड़ी छात्रावास निर्माण हेतु चिह्नित स्थान पर भूमि पूजन समारोह में भाग लिया।

१४ से १७ फरवरी २०२० को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया एवं दक्षिण भारत में सम्मेलन के संगठन-प्रभारी श्री बसंत मित्तल के साथ केरल एवं कर्नाटक प्रांतों का दौरा किया। १६ फरवरी २०२० को कर्नाटक सम्मेलन की बेंगलुरु शाखा द्वारा एक निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें श्री सराफ, श्री गाड़ोदिया एवं श्री मित्तल ने शिरकत की।

स्थापना दिवस समारोह : २५ दिसम्बर २०१८ को कोलकाता स्थित कला मंदिर सभागार में सम्मेलन का ८४वाँ स्थापना दिवस समारोह राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में आयोजित किया गया। पश्चिम बंग के महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी ने समारोह का उद्घाटन किया। वेदांता ग्रुप के चेयरमैन श्री अनिल अग्रवाल समारोह के मुख्य अतिथि थे जिन्हें इस अवसर पर 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान–२०१७' से सम्मानित भी किया गया।

२५ दिसम्बर २०१९ को सम्मेलन का ८५वाँ स्थापना दिवस समारोह का आयोजन बालीगंज, कोलकाता स्थित जी.डी. बिरला सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में किया गया। समारोह के उद्घाटनकर्ता एवं मुख्य अतिथि माननीय लोकसभाध्यक्ष श्री ओम बिरला थे जिन्हें इस अवसर पर 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान–२०१८' से सम्मानित भी किया गया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजचिंतक श्री सीताराम शर्मा समारोह के मुख्य वक्ता और लोकसभा सांसद श्री सुदीप बंद्योपाध्याय तथा श्रीमती लॉकेट चटर्जी, राज्यसभा सांसद श्री महेश पोद्दार और उद्योगपति-समाजसेवी श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल विशिष्ट अतिथि थे।

सम्मान : समाज के विशिष्ट व्यक्तियों को उनकी विशेष उपलब्धियों हेतु सम्मानित करने की सम्मेलन की परम्परा रही है। वर्तमान सत्र में निम्नलिखित को सम्मानित किया गया।

८४वें स्थापना दिवस समारोह (२५ दिसम्बर २०१८) के दौरान कोलकाता में :

– वेदांता ग्रुप के चेयरमैन श्री अनिल अग्रवाल को 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान–२०१७'।

साहित्य एवं समाजसेवा सम्मान समारोह (२ फरवरी २०१९) को कोलकाता में :

– डॉ. (श्रीमती) शारदा फतेहपुरिया को 'भंवरमल सिंघी समाजसेवा सम्मान'।

– श्री भानसिंह शेखावत 'मरूधर' को 'केदारनाथ–भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान'।

– श्री रवि पुरोहित को 'सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान'।

होली प्रीति मिलन सह सम्मान समारोह (१० मार्च २०१९) को कोलकाता में :

– भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री रमेश चन्द्र लाहोटी को 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान–२०१५'।

८५वाँ स्थापना दिवस समारोह (२५ दिसम्बर २०१९) के दौरान कोलकाता में :

– माननीय लोकसभाध्यक्ष श्री ओम बिरला को 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान–२०१८'।

राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान (११ जनवरी २०२०) को कोलकाता में :

– श्री पवन पहाड़िया को 'केदारनाथ-भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान'।

– डॉ. चेतन स्वामी को 'सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान'।

मिलन समारोह : इस सत्र में होली मिलन समारोह एवं दीपावली मिलन समारोह विधिवत रूप से मनाये गये।

दीपावली मिलन समारोह : १० नवम्बर २०१८ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में ४०, आयरन साईड रोड, बालीगंज, कोलकाता में सम्मेलन का दीपावली प्रीति मिलन समारोह राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में आयोजित किया गया। सुप्रसिद्ध उद्योगपति-समाजसेवी श्री श्रीकुमार बाँगड़ मुख्य अतिथि, श्री बी.पी. गोपालिका (आई.ए.एस.) एवं श्री शशिकान्त पुजारी (आई.पी.एस.) विशिष्ट अतिथि, तथा सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा समारोह के मुख्य वक्ता थे।

०९ नवम्बर २०१९ को दीपावली प्रीति मिलन समारोह ४०, आयरन साईड रोड, कोलकाता में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व तथा समर्पित समाजसेवी श्री आनन्द अग्रवाल के आतिथ्य में आयोजित किया गया। पश्चिम बंग के महामहिम राज्यपाल श्री जगदीप जी धनखड़ समारोह के मुख्य अतिथि, उद्योगपति-समाजसेवी श्री सुशील धनानिया विशिष्ट अतिथि तथा सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजचिंतक श्री सीताराम शर्मा समारोह के मुख्य वक्ता थे। प्रदेश की प्रथम महिला श्रीमती सुदेश धनखड़ ने भी अपनी गौरवमयी उपस्थिति से समारोह को नवाजा।

होली मिलन समारोह : १० मार्च २०१९ को स्थानीय कला मंदिर सभागार में सम्मेलन का होली प्रीति मिलन सह सम्मान समारोह राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में आयोजित किया गया। होली प्रीति मिलन समारोह में एक कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। राष्ट्रस्तरीय कवियों श्री कैलाश मंडेला, डॉ. सुमन दुबे, श्री प्रख्यात मिश्रा एवं पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी के काव्यपाठ के दौरान खचाखच भरा सभागार ठहाकों एवं तालियों से गुँजायमान रहा।

०१ मार्च २०२० को कोलकाता-स्थित कला मंदिर सभागार में सम्मेलन का होली प्रीति मिलन सह हास्य कवि सम्मेलन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में आयोजित किया गया। सांसद श्री सुदीप बंद्योपाध्याय ने समारोह का उद्घाटन किया एवं सांसद श्रीमती माला रॉय ने मुख्य अतिथि के आसन को सुशोभित किया। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा समारोह के प्रधान वक्ता एवं उद्योगपति-समाजसेवी श्री दीनदयाल गुप्ता विशिष्ट अतिथि थे। राष्ट्रस्तरीय कवियों श्री गजेन्द्र सोलंकी, डॉ. भुवन मोहिनी, श्री हरीश हिन्दुस्तानी एवं श्री प्रख्यात मिश्रा ने हास्य-व्यंग्य, श्रृंगार एवं वीर रस की उत्कृष्ट रचनायें प्रस्तुत की।

गोष्ठियाँ : वर्तमान सत्र में निम्नवत गोष्ठियाँ आयोजित की गई।

०१ दिसम्बर २०१८ को सम्मेलन मुख्यालय सभागार में 'उद्यमशीलता' विषयक एक संगोष्ठी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में आयोजित की गई। संगोष्ठी को श्री बनवारी लाल मित्तल (सस्ता सुंदर) एवं श्री दीपक जालान (लिंक पेन) ने सम्बोधित किया।

०५ जनवरी २०१९ को सम्मेलन मुख्यालय सभागार में 'पारिवारिक व्यवसाय – बदलते परिदृश्य में अस्तित्व-संरक्षण एवं विकास' विषयक एक संगोष्ठी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में आयोजित की गई। संगोष्ठी को अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वक्ता-लेखक एवं पारिवारिक व्यवसाय विशेषज्ञ श्री राजेश जैन एवं रूपा एण्ड कम्पनी के प्रबंध निदेशक श्री कुंज बिहारी अग्रवाल ने सम्बोधित किया।

०६ सितम्बर २०१९ को सम्मेलन मुख्यालय सभागार में 'मित्रता-दोस्ती : एक बातचीत' विषयक एक संगोष्ठी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में आयोजित की गई। संगोष्ठी को पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विश्वम्भर नेवर एवं वरिष्ठ लेखक-पत्रकार श्री गीतेश शर्मा ने सम्बोधित किया।

२३ अप्रैल २०२० को लोकसभाध्यक्ष श्री ओम बिरला एवं सम्मेलन के पदाधिकारियों/सदस्यों के साथ एक वीडियो बैठक का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में

किया गया। बैठक में कोरोना संकट के आलोक में सम्मेलन की गतिविधियों एवं व्यापारी वर्ग के समक्ष समस्याओं पर चर्चा हुई। श्री बिरला ने सम्मेलन एवं मारवाड़ी समाज द्वारा कोरोना-संकट के दौरान संसाधनहीनों की सहायता के लिए किए जा रहे सेवाकार्यों की प्रशंसा की और कहा कि यही मारवाड़ियों की संस्कृति और परम्परा है।

१७ मई २०२० को केन्द्रीय भारी उद्योग राज्य मंत्री एवं संसदीय कार्यमंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल और सम्मेलन के पदाधिकारियों/सदस्यों के साथ 'लॉकडाउन के बाद जीवन' विषयक एक वीडियो संगोष्ठी का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में किया गया। श्री मेघवाल ने कहा कि कोरोना वायरस न सिर्फ भारत बल्कि पूरी मानवता के लिए एक अभूतपूर्व संकट है लेकिन कठिन परिस्थितियों में ही धैर्यवान एवं उद्यमशील लोगों की पहचान होती है। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण श्री सीताराम शर्मा एवं श्री रामअवतार पोद्दार तथा नेपाल के पूर्व सांसद श्री बिमल केडिया की बैठक में विशेष उपस्थिति रही।

२७ जून २०२० को सम्मेलन द्वारा 'कोरोना : मानसिक चुनौतियाँ एवं सामाजिक सम्भावनायें' विषयक एक वीडियो संगोष्ठी का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में किया गया। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजचिंतक श्री सीताराम शर्मा संगोष्ठी के प्रधान वक्ता थे। श्री शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि कोरोना वायरस ने सम्पूर्ण विश्व की सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था पर गम्भीर संकट खड़ा कर दिया है, लेकिन हम साथ मिलकर इन सभी समस्याओं का सामना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था भी जिस तेजी से गिरी है, उसी तेजी से उभरेगी। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों श्री रामअवतार पोद्दार एवं श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने कोरोना-काल में सम्मेलन द्वारा किए जा रहे सेवाकार्यों की सराहना की।

१८ जुलाई २०२० को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन और 'रेस नी क्लिनिक' के संयुक्त तत्वावधान में 'दर्द और तनावमुक्त जीवन' विषयक वेबिनार सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में आयोजित किया गया। वेबिनार को सुप्रसिद्ध आर्थोपैडिक शल्य चिकित्सक डॉ. धीरज मारोठी जैन ने सम्बोधित किया। उन्होंने 'घुटनों के दर्द को कैसे दूर करें' और 'दिनचर्या में बदलाव के जरिये तनावमुक्त जीवन' मुख्यतः इन दो विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। वेबिनार का संयोजन एवं संचालन सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने किया।

२९ जुलाई २०२० को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन और 'हार्ट केयर फाउंडेशन' के संयुक्त तत्वावधान में 'कोरोना : सुरक्षा एवं उपचार' विषयक वेबिनार सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में आयोजित किया गया। वेबिनार को सम्बोधित करते हुए प्रख्यात चिकित्सक पद्मश्री डॉ. के.के. अग्रवाल ने कोरोना से बचाव, लक्षण एवं उपचार के विषय में जानकारी दी और वर्तमान परिस्थितियों में सकारात्मक मानसिकता को आवश्यक बताया। वेबिनार का संयोजन एवं संचालन सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने किया।

१० अक्तूबर २०२० को सम्मेलन द्वारा वीडियो माध्यम से 'रोड टू आंत्रप्रनियरशिप – उद्यमशीलता की राह' शीर्षक एक वेबिनार आयोजित किया गया। वेबिनार को सुख्यात मैनेजमेंट प्रोफेशनल एवं इंट्रासॉफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के संस्थापक श्री अरविन्द कजारिया ने सम्बोधित किया। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने विषय-प्रवर्तन किया। वेबिनार का संयोजन सम्मेलन की सेमिनार उपसमिति के संयोजक श्री दिनेश जैन ने किया।

उच्च शिक्षा कोष : सम्मेलन के ट्रस्ट मारवाड़ी सम्मेलन फाउंडेशन द्वारा संचालित उच्च शिक्षा कोष से अब तक कुल दो करोड़ छियासठ लाख तिरानबे हजार रुपयों की राशि अनुदान के रूप में देश के विभिन्न भागों के छात्र-छात्राओं को दी जा चुकी है। इनमें से इक्यावन लाख बीस हजार रुपयों की राशि वित्तीय वर्ष (२०१८-१९) में, इकहत्तर लाख चालीस हजार रुपयों की राशि पिछले वित्तीय वर्ष (२०१९-२०) में एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष (२०२०-२१) में अब तक सोलह लाख पंचानबे हजार रुपयों की राशि प्रदान की जा चुकी है।

अखिल भारतीय समिति की बैठकें

दिनांक	स्थान	उपस्थिति	महत्वपूर्ण घोषणा/निर्णय
२० जुलाई २०१८	हिन्दुस्तान क्लब, कोलकाता	४६	वर्तमान सत्र हेतु राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा, बैंक खातों के संचालन सम्बंधी प्रस्ताव पारित
३ मार्च २०१९	मनियार होम्स, एयरपोर्ट रोड, हैदराबाद	३३	राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की संविधान-संशोधन अनुशंसाएँ पारित
१५ सितम्बर २०१९	पवनपुत्र बैंक्वेट हॉल, कोलकाता	५६	राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति द्वारा सम्मेलन की आजीवन सदस्यता शुल्क में बढ़ोत्तरी की प्रभावी तिथि बढ़ाने सम्बंधी निर्णय सर्वसम्मति से पारित
११ जुलाई २०२०	वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से	७२	संविधानसम्मत प्रक्रिया द्वारा नए सत्र हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्वाचन

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठकें

दिनांक	स्थान	उपस्थिति	महत्वपूर्ण घोषणा/निर्णय
१८ अगस्त २०१८	सम्मेलन कार्यालय सभागार	३२	राष्ट्रीय स्थायी समिति के गठन का अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष को दिया गया, वित्तीय वर्ष २०१७-१८ के आय-व्यय का लेखा-जोखा एवं संतुलन पत्र पारित
१६ दिसम्बर २०१८	सम्मेलन कार्यालय सभागार	२५	अखिल भारतीय समिति में सदस्यों के मनोनयन एवं रिक्तियों को पूर्ण करने का अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष को देने का प्रस्ताव पारित, सम्मेलन की संविधान उपसमिति की अनुशंसाओं पर विचार-विमर्श एवं कार्यवाही हेतु अखिल भारतीय समिति को अग्रसारित
०६ अप्रैल २०१९	सम्मेलन कार्यालय सभागार	२४	सदस्यता शुल्क के अंतर का भुगतान कर संरक्षक सदस्य का विशिष्ट संरक्षक सदस्य बनने की समय-सीमा ३० जून २०१९ तक बढ़ाई गई
०७ जुलाई २०१९	सम्मेलन कार्यालय सभागार	२९	वित्तीय वर्ष २०१८-१९ के आय-व्यय का लेखा-जोखा एवं संतुलन पत्र पारित, संरक्षक सदस्य से विशिष्ट संरक्षक सदस्य में श्रेणी-परिवर्तन हेतु अंतिम तिथि बढ़ाकर ३० सितम्बर २०१९ किया गया
२१ सितम्बर २०१९	सम्मेलन कार्यालय सभागार	१२	सम्मेलन के राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान दिये जाने वाले 'भंवरमल सिंघी समाज सेवा सम्मान' की राशि ग्यारह हजार से बढ़ाकर इक्यावन हजार करने का प्रस्ताव पारित
१५ दिसम्बर २०१९	सम्मेलन कार्यालय सभागार	१६	आगामी सत्र हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए श्री नंदलाल सिंघानिया 'चुनाव अधिकारी' एवं श्री संजय हरलालका 'सहायक चुनाव अधिकारी' मनोनीत किये गये
२३ फरवरी २०२०	सम्मेलन कार्यालय सभागार	२१	आगामी अधिवेशन के स्थान एवं समय के विषय में निर्णय का अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष को देने का प्रस्ताव पारित
०४ जुलाई २०२०	वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से	५५	कार्यक्रमों की समीक्षा
२७ अक्तूबर २०२०	वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से	२९	वित्तीय वर्ष २०१९-२० के आय-व्यय का लेखा-जोखा एवं संतुलन पत्र पारित

राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठकें

दिनांक	स्थान	उपस्थिति	महत्वपूर्ण घोषणा/निर्णय
०८ सितम्बर २०१८	सम्मेलन कार्यालय सभागार	२५	असम प्रादेशिक मारवाड़ी शिक्षा कोष हेतु ट्रस्टियों के मनोनयन का अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष को दिया गया, उपसमितियों के गठन पर समीक्षा
२२ दिसम्बर २०१८	सम्मेलन कार्यालय सभागार	१४	कार्यक्रमों की समीक्षा
०८ मार्च २०१९	सम्मेलन कार्यालय सभागार	१६	कार्यक्रमों की समीक्षा
२९ जून २०१९	सम्मेलन कार्यालय सभागार	१८	निर्देशिका उपसमिति में श्री ओमप्रकाश अग्रवाल को चेयरमैन एवं श्री संजय हरलालका को संयोजक मनोनीत किया गया।
०२ नवम्बर २०१९	सम्मेलन कार्यालय सभागार	२१	कार्यक्रमों की समीक्षा
२२ फरवरी २०२०	सम्मेलन कार्यालय सभागार	१६	कार्यक्रमों की समीक्षा
०४ जुलाई २०२०	वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से	५५	कार्यक्रमों की समीक्षा

रोजगार-सहायता : रोजगार सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत अब तक २१९ युवक-युवतियों ने रोजगार हेतु उपसमिति से सम्पर्क किया। इनमें से १३१ को उपयुक्त सेवाओं में रखवाया जा चुका है और ७९ प्रक्रियाधीन हैं।

राजनैतिक चेतना कार्यक्रम :

१८ मार्च २०१९ को सम्मेलन के राजनैतिक चेतना कार्यक्रम के अन्तर्गत आम चुनावों के आलोक में एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने 'पश्चिम बंगाल की राजनीति में हिन्दीभाषी एवं मारवाड़ी समाज की हैसियत' के सन्दर्भ में आठ प्रकाशन समूहों से आए हुए पत्रकारों/संवाददाताओं, फोटो/वीडियो पत्रकारों के साथ बातचीत की और एक-एक प्रेस-विज्ञप्ति भी जारी की।

१३ अप्रैल २०१९ को सम्मेलन के राजनैतिक चेतना कार्यक्रम के अन्तर्गत देश के प्रमुख हिन्दी दैनिक 'प्रभात खबर' द्वारा चलाये जा रहे 'वोट करें, देश गढ़ें' अभियान में सम्मेलन की भागीदारी-स्वरूप सम्मेलन मुख्यालय सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

१२ मई २०१९ को सम्मेलन के राजनैतिक चेतना कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तर कोलकाता लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्री राहुल सिन्हा एवं दक्षिण कोलकाता लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्री चन्द्र कुमार बोस के साथ एक 'सीधी बात' कार्यक्रम ओसवाल भवन, कोलकाता में तथा १४ मई २०१९ को उत्तर कोलकाता लोकसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी सांसद श्री सुदीप बंद्योपाध्याय के साथ महाजाति सदन, कोलकाता में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में आयोजित किया गया। 'सीधी बात' सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने की।

समाज-कल्याण हेतु सम्मेलन हुआ सम्मानित : आपको बताते हुए अत्यंत हर्ष है कि सुप्रसिद्ध 'भारत निर्माण अवार्ड' के २६वें वार्षिक सम्मानों हेतु समाज-कल्याण की गतिविधियों में अग्रणी भूमिका के लिए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन चयनित हुआ। ०८ जून २०१९ को कला मंदिर सभागार, कोलकाता में आयोजित एक भव्य समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने सम्मेलन की ओर से यह सम्मान स्वीकार किया।

कोरोना राहत सेवाकार्य : वैश्विक महामारी कोरोना से उत्पन्न परिस्थितियों के आलोक में, मार्च २०२० से ही सम्मेलन के केन्द्रीय, प्रादेशिक एवं नगर-ग्राम शाखाओं द्वारा अपने-अपने स्तर पर विभिन्न प्रकार के सेवाकार्य किए जा रहे थे। सम्मेलन की एक शीर्ष बैठक में संगठित रूप से, पूरे राष्ट्र-स्तर पर, कोरोना राहत सेवाकार्य हाथ में लेने का निर्णय किया गया। तदनुसार, सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने गत १८ अगस्त २०२० को मारवाड़ी सम्मेलन कोरोना राहत सेवाकार्य समिति का गठन सम्मेलन के वरिष्ठतम पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा के चेयरमैनशिप में किया।

कोरोना राहत सेवाकार्य समिति द्वारा पूरे राष्ट्र में संसाधनहीन लोगों के बीच १ लाख मास्क सम्मेलन की प्रादेशिक एवं स्थानीय शाखाओं के माध्यम से वितरित किए गए हैं। एक अन्य प्रकल्प के अन्तर्गत कोलकाता के अलग-अलग स्थानों पर प्रतिदिन ३०० संसाधनहीन गरीब लोगों के बीच निःशुल्क भोजन वितरण किया जा रहा है। यह योजना अन्य शहरों में भी प्रारम्भ करने पर विचार चल रहा है।

उत्तराखंड पुनर्निमाण में सहयोग : जून २०१३ में उत्तराखंड में आये विनाशकारी तूफान के बाद सम्मेलन द्वारा तात्कालिक सहयोग के अतिरिक्त पुनर्निमाण-कार्य हेतु एक कोष की स्थापना की गई थी। सम्मेलन द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, कुल ५५ लाख रुपयों की राशि उत्तराखंड के चमोली जिले में गोपेश्वर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के भवन निर्माण हेतु उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत की उपस्थिति में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने प्रदान की।

अपूरणीय क्षति : वर्तमान सत्र के दौरान सम्मेलन से जुड़े कतिपय विशिष्ट समाजबंधुओं का वैकुण्ठवास हो गया। उनमें हैं : सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामपाल अग्रवाल 'नूतन' (जून २०१८); सम्मेलन के भाषा सम्बन्धी पुरस्कारों के निर्णायक मण्डली के सदस्य एवं प्रसिद्ध साहित्यकार नथमल केडिया (जुलाई २०१८); झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष बासुदेव प्रसाद बुधिया (अक्तूबर २०१८); बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के स्तम्भ एवं वरिष्ठ समाजसेवी द्वारका प्रसाद तोदी (जुलाई २०२०)। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि!

महानुभावों, मैंने जून २०१८ में राष्ट्रीय महामंत्री का कार्यभार सम्भाला था और तब से अब तक इस पद की गरिमा के अनुरूप अपने कर्त्तव्यों के सम्पादन का यथासम्भव प्रयास किया है। अपने दायित्वों के निर्वहन में मुझे सतत् राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों सर्वश्री सीताराम शर्मा, नंदलाल रुँगटा, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, रामअवतार पोद्दार एवं प्रह्लाद राय अगरवाला का मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा जिसके लिए मैं उनका चिरऋणी हूँ। राष्ट्रीय उपाध्यक्षों सर्वश्री गोवर्धन गाड़ोदिया, विवेक गुप्त, पवन गोयनका, राज पुरोहित, अनिल जाजोदिया, विजय किशोरपुरिया, संयुक्त महामंत्रीद्वय सर्वश्री संजय हरलालका एवं दामोदर बिदावतका, संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी का भी पूरा सहयोग रहा। डॉ. जुगल किशोर सर्राफ, श्री आत्माराम सोन्थलिया, श्री शिव कुमार लोहिया, श्री दिनेश जैन एवं अन्य सहयोगियों का भी मैं आभार ज्ञापित करना चाहूँगा। केन्द्रीय कार्यालय के प्रबंधक श्री अभिलाष दूबे, श्री राजेश, श्री प्रवीण एवं सभी सहयोगियों ने भी समर्पित भाव से अपनी भूमिका निभाई, साधुवाद!

अन्त में यह कहना चाहूँगा कि मारवाड़ी समाज सदैव राष्ट्रहित में समर्पित रहा है। हम अपनी पूरी क्षमता से समाज और राष्ट्र के कल्याण में अवदान देंगे और भारत को एक परम वैभवशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित करेंगे।

कैसे आसमां में सुराख हो नहीं सकता,
एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों!

जय हिन्द! जय समाज!

सम्मेलन के कोरोना राहत सेवाकार्य के अन्तर्गत निःशुल्क भोजन वितरण

एस.एन. बनर्जी रोड (कोलकाता कॉर्पोरेशन) : ०१-३० नवम्बर २०२०

०७ नवम्बर २०२० को लायंस नेत्रालय, उल्टाडांगा के समक्ष निःशुल्क भोजन वितरण

बसंती देवी कॉलनि, उल्टाडांगा : ०९ नवम्बर २०२०

सम्मेलन के कोरोना राहत सेवाकार्य के अन्तर्गत निःशुल्क भोजन वितरण

१४ नवम्बर २०२० को बजरंगबली मंदिर, हावड़ा के निकट निःशुल्क भोजन वितरण

दाता बाबा मजार, तपसिया : २० नवम्बर २०२०

तेलकाल घाट, हावड़ा : २१ नवम्बर २०२०

कोरोनाकाल में गरीबों की सहायता हेतु सम्मेलन प्रतिबद्ध : संतोष सराफ

"कोरोनाकाल में उद्योग-व्यापार और रोजगार की स्थिति दयनीय बनी हुई है। दैनिक मजदूरी, छोटे उद्योग-धंधों के सामने तो अस्तित्व-संरक्षण की स्थिति है। इन विषम परिस्थितियों में, सम्मेलन ने अपनी परम्परानुसार, केन्द्रीय तथा प्रादेशिक शाखाओं के माध्यम से समाज के वंचित वर्ग तक पहुँचने का यथासम्भव प्रयास किया है तथा हर सम्भव सहयोग प्रदान किया है। कोरोना के कारण हमारे जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव भी आये हैं। लोग अपने स्वास्थ्य, व्यायाम, योग, रोग प्रतिरोधक क्षमता, आदि के प्रति जागरूक हुए हैं। साथ ही, सामाजिक, वैवाहिक, धार्मिक आदि आयोजनों में आडम्बर और फिजूलखर्ची पर भी नियंत्रण लगा है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि इन सकारात्मक पहलुओं को हम आगे भी अपनी दिनचर्या का अंग बनाये रखें।" ये वक्तव्य हैं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** के जो उन्होंने गत ११ नवम्बर २०२० को सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा की बैठक में बोलते हुए व्यक्त किये। बैठक का आयोजन वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से किया गया।

कोरोनाकाल में सम्मेलन की गतिविधियों के विषय में बोलते हुए श्री सराफ ने बताया कि हाल ही में गठित कोरोना राहत सेवाकार्य समिति के अन्तर्गत सम्मेलन की प्रादेशिक तथा स्थानीय शाखाओं के माध्यम से पूरे देश में निःशुल्क मास्क का वितरण किया जा रहा है। साथ ही, मारवाड़ी सम्मेलन भोजनालय कार्यक्रम के अन्तर्गत कोलकाता के विभिन्न स्थानों पर रोजाना ३०० संसाधनहीन लोगों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस कार्यक्रम को देश के अन्य शहरों में चलाने पर भी विचार चल रहा है।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** ने कहा कि मौजूदा सत्र में श्री संतोष सराफ के नेतृत्व में हर क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हुआ है। सभी कार्यक्रमों का आयोजन विधिवत एवं गरिमापूर्ण तरीके से किया गया। उन्होंने सभी से नये सत्र हेतु निर्वाचित अध्यक्ष श्री गोवर्धन गाड़ोदिया को सहयोग की बात कही।

सम्मेलन के ध्येयवाक्य **'म्हारो लक्ष्य, राष्ट्र री प्रगति'** का उद्घोष करते हुए पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** ने कहा कि सम्मेलन सदैव देश की एकता तथा प्रगति के लिए कार्य करता रहेगा। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** एवं **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने कोरोनाकाल में सम्मेलन द्वारा किये गये सेवाकार्यों को महनीय बताया।

राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने गत बैठक का कार्यवृत और गत वर्ष के कार्यकलापों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया

जो पारित हुए। कोरोनाकाल में सम्मेलन द्वारा संसाधनहीनों को निःशुल्क मास्क एवं भोजन वितरण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ये सम्मेलन के 'सेवा परमो धर्म' को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन की निरंतर कोशिशों के सुफल, मारवाड़ी समाज में राजनैतिक सक्रियता धीरे-धीरे बढ़ रही है। हाल ही में घोषित, बिहार विधानसभा के चुनाव नतीजों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि समाज के कई लोग, इसमें जनप्रतिनिधि चुने गये हैं।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी** ने वित्तीय वर्ष २०१९-२० के आय-व्यय का लेखा-जोखा और संतुलन पत्र प्रस्तुत किया और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दिये। लेखा-जोखा और संतुलन पत्र सर्वसम्मति से पारित हुए। श्री तोदी ने सम्मेलन की आर्थिक स्थिति, कोष, समाज विकास के खर्च एवं विज्ञापन, अनुदान प्राप्ति आदि के विषय में संक्षेप में बताया। उन्होंने समाज विकास में विज्ञापनदाताओं और अनुदान-दाताओं का आभार प्रकट किया।

सी.ए. **श्री पी.के. लिल्हा** को सर्वसम्मति से अगले वर्ष के लिए लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया।

पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं आगामी २१-२२ नवम्बर २०२० को राँची में आयोजित २६वें राष्ट्रीय अधिवेशन के स्वागताध्यक्ष **श्री विनय सरावगी** ने सबका आभार व्यक्त करते हुए आगामी अधिवेशन हेतु सभी को आमंत्रित किया। साथ ही, अधिकाधिक समाजबंधुओं को वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से जोड़ने की बात भी कही।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने मौजूदा सत्र की उपलब्धियों हेतु श्री संतोष सराफ को बधाई दी और कोरोनाकाल में सबके स्वस्थ-सुरक्षित रहने की कामना की। बैठक का कुशल संचालन सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पवन गोयनका** ने किया। बैठक में राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल**, सम्मेलन के वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोंथलिया**, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री भानीराम सुरेका**, दक्षिण भारत में सम्मेलन के संगठन-प्रभारी **श्री बसंत मित्तल**, प्रादेशिक अध्यक्षों **डॉ. सुभाष अग्रवाल** (कर्नाटक) एवं **श्री महेश जालान** (बिहार) तथा **श्री राजेन्द्र खण्डेलवाल** ने भी अपने संक्षिप्त वक्तव्य रखे।

बैठक में पदाधिकारीगण सर्वश्री डॉ. जे.के. सर्राफ, नंदलाल सिंघानिया, दामोदर बिदावतका, दिनेश जैन, प्रादेशिक अध्यक्षों सर्वश्री गोविंद अग्रवाल (उत्कल), श्याम सुंदर अग्रवाल (केरल), लक्ष्मीपत भूतोड़िया (दिल्ली) के अलावा सर्वश्री भागचंद पोद्दार, अशोक जालान, ओम प्रकाश खण्डेलवाल, राज खेतान, शिव हरि बाँका, अजय गुप्ता, गोपाल सुथार, विशन मिरानिया अग्रवाल, अनिल मुकिम, अमर कुमार, डी.एन. सिंघल, ओ.पी. खण्डेलवाल, पवन जालान, रंजीत डालमिया, राज कुमार मूँधड़ा, गणेश खेमका, जे.के. अग्रवाल, गौरीशंकर अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, गणपत भंसाली, रमेश भागचंदका, मधुर झँवर, संजय शर्मा, रमेश गोयनका, केशव बजाज, अरुण मल्लावत, सुरेन्द्र अग्रवाल, सूर्यकांत सांगानेरिया, सुधीर जैन, राजेन्द्र राजा, किशन किला, रामविलास अग्रवाल, पवन बजाज आदि उपस्थित थे।

समाचार सार

झारखंड विकास न्यास एवं रामगढ़ जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने किया श्री गोवर्धन गाड़ोदिया का सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हेतु दायित्वग्रहण करने पर गत २९ नवम्बर २०२० को राँची स्थित हेतमसरिया हाऊस में रामगढ़ शाखा एवं रामगढ़ जिला मारवाड़ी सम्मेलन तथा झारखंड विकास न्यास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक सम्मान समारोह में श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया को सम्मानित किया गया। समारोह में सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोनीत होने पर श्री बसंत मित्तल का भी अभिनंदन किया गया। उक्त सम्मान समारोह में आईआईटी एवं मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में सफलता अर्जित करने पर जिले के नौ विद्यार्थियों को 'राधाकिशन स्मृति' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। चित्र में श्री गाड़ोदिया के साथ परिलक्षित हैं समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री रमेश मेरठिया, श्री बसंत हेतमसरिया एवं श्री रमेश बोंदिया।

मनोनीत होते ही झारखंड के कुछ सामाजिक अग्रजों के द्वार पहुँचे राष्ट्रीय महामंत्री

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के सलाह अनुसार, गत २२ नवम्बर २०२० को राष्ट्रीय महामंत्री मनोनीत होते ही अगले दिन सड़क मार्ग से कोलकाता लौटने के क्रम में निवर्तमान संगठन-प्रभारी श्री बसन्त मित्तल के सक्रिय प्रयास से राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने झारखण्ड के कई स्थानों पर समाज के अग्रजनों से मुलाकात की, इस क्रम में निवर्तमान राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी भी साथ थे।

रामगढ़ जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रमेश गोंदिया, श्री सुरेश गोंदिया एवं श्री महावीर गोंदिया ने सभी का स्वागत किया और रामगढ़ में सम्मेलन की सक्रियता से अवगत कराया।

गोला में श्री ओम बुधिया के निवास पर श्री सोनू बुधिया, पूर्व रामगढ़ शाखा अध्यक्ष श्री प्रकाश पटवारी ने राष्ट्रीय महामंत्री तथा निवर्तमान पदाधिकारियों का सम्मान किया। उन्होंने बताया कि रामगढ़ में सम्मेलन काफी सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

बोकारो जिला मारवाड़ी सम्मेलन के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा चास में भव्य स्वागत पुष्प गुच्छ एवं शाल ओढ़ाकर किया गया। निवर्तमान प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री शिव हरी बंका के निवास पर आयोजित इस मुलाकात में श्री शिव कुमार महरिया, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री सतीश केजरीवाल, श्री श्यामसुंदर जैन आदि उपस्थित थे।

धनबाद पहुँचने पर श्री विमल निर्मला के आवासीय परिसर में धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा राष्ट्रीय पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री श्री हरलालका ने श्रीमती निर्मला तुलस्यान जी एवं मारवाड़ी महिला समिति के योगदान की प्रशंसा की और गत ५० वर्षों से सामाजिक सेवा कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। श्री योगेन्द्र तुलस्यान ने शिक्षा के विकास व जरूरतमंद होनहार छात्रों के लिए शिक्षा पालक कोष के विषय में जानकारी दी। महामंत्री श्री राजीव तुलस्यान और संयुक्त मंत्री श्री किसन कुमार अग्रवाल वीरू ने संगठन को समाज के अंतिम परिवार तक जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस मौके पर महेन्द्र भगानिया भी उपस्थित थे।

कुल मिलाकर मनोनीत राष्ट्रीय महामंत्री ने अपने इस प्रथम अनौपचारिक दौरे के साथ ही इस सत्र में संगठन विस्तार की दिशा में कार्य करने का संकेत दे दिया।

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**

- **Radiology**

- MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
- Ultrasonography | - Colour Doppler Study

- **Cardiology**

- ECG | - Echo-Cardiography
- Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
- Treadmill Test (TMT)

- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

HAPPINESS COMES IN MANY COLOURS. FIND YOURS IN THE
Happy Rainbow Box.

SREI
Together We Make Tomorrow Happen

Srei, since three decades, has been in the business of financing infrastructure, developing projects and empowering entrepreneurs. Our Happy Rainbow Box is a collection of such happy and optimistic thoughts that have the potential to change the world for the better.

Infrastructure Project & Equipment Finance | Medical, IT, Agriculture & Mining Equipment Finance | Infrastructure Project Advisory, Development & Investments | Investment Banking | Insurance Broking

Log on to www.happyrainbowbox.com and #SpreadTheHappy

L&K | SAATCHI & SAATCHI

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

विगत ८ वर्षों में देश के विभिन्न भागों के ८९ छात्र-छात्राओं को करीब १ करोड़ ७२ लाख रुपयों का दिया जा चुका है अनुदान

वर्तमान वित्तीय वर्ष (२०१८-१९) में अब तक करीब २७ लाख रुपयों का आवंटन

"Education is a fundamental human right and essential for excercise of all other rights."

पूर्व की भांति समाज के दाताओं का मिल रहा है तहेदिल से साथ, वर्तमान सत्र में श्री संदीप फोगला ने २५ लाख एवं श्री आनन्द कुमार अग्रवाल ने दिया ५ लाख का सहर्ष अनुदान

आप भी बढ़ाएं सहयोग का हाथ
समाज के सर्वांगीण विकास में बनें भागीदार

छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

इंजीनियरिंग, टेक्निकल, सिविल सर्विसेज, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर/उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता : (क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय तीन लाख रुपयों से कम होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया : (क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रों, प्रवेश के प्रमाण, माता-पिता के आय प्रमाणपत्र एवं पासपोर्ट साइज चित्रों के साथ, मारवाड़ी सम्मेलन की किसी शाखा/सम्बद्ध संस्था से अनुमोदित आवेदन प्रस्तुत करने हैं।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपयों की राशि अनुदानस्वरूप दी जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं।

आवेदन करें : *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*

४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७, फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : aimf1935@gmail.com

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

तिर्यङ्नगद्विजसरीसृपदेवदैत्य–
मर्त्यादिभिः परिचितं सदसद्विशेषम्।
रूपं स्थविष्ठमज ते महदाद्यनेक
नातः परं परम वेद्मि न यत्र वादः।।

हे भगवान्, हे परम अजन्मा, मैं जानता हूँ कि जीवित प्राणियों की विभिन्न योनियाँ, जैसे कि पशुओं, वृक्ष, पक्षियों, सरीसृप, देवताओं तथा मनुष्यों पूरे ब्रह्मांड में फैली हुई हैं, जो समग्र भौतिक शक्ति से उत्पन्न हैं। मैं यह भी जानता हूँ कि ये कभी-कभी प्रकट तथा अप्रकट रूप में रहती हैं। परन्तु मैंने ऐसा दिव्य रूप कभी नहीं देखा जैसा कि अब आप का देख रहा हूँ। अब कोई भी सिद्धान्त बनाने की आवश्यकता नहीं रह गई है।

कल्पान्त एतदखिलं जठरेण गृह्यन्
शेते पुमान्स्वदृगनन्तसखस्तदङ्के।
यन्नाभिसिन्धुरूहकाञ्चनलोकपद्म–
गर्भे द्युमान्भगवते प्रणतोऽस्मि तस्मै।।

हे भगवान्, प्रत्येक कल्प के अन्त में भगवान् गर्भोदकशायी विष्णु ब्रह्मांड में दिखाई पड़नेवाली प्रत्येक वस्तु को अपने उदर में समाहित कर शेषनाग की गोद में लेट जाते हैं। उनकी नाभि से एक डंठल पर एक सुनहला कमल-पुष्प उगता है और इस कमल-पुष्प पर ब्रह्माजी उत्पन्न होते हैं। मैं समझ सकता हूँ कि आप वही परमेश्वर हैं। इसलिए मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ।

त्वं नित्यमुक्तपरिशुद्धविबुद्ध आत्मा
कूटस्थ आदिपुरुषो भगवांस्त्र्यधीशः।
यद्बुद्ध्यवस्थितिमखण्डितया स्वदृष्टया
द्रष्टा स्थितावधिमखो व्यतिरिक्त आस्से।।

हे भगवान्, अपनी अखंड दिव्य दृष्टि से आप बौद्धिक कार्यों की समस्त अवस्थाओं के परम साक्षी हैं। आप शाश्वत-मुक्त हैं, आप शुद्ध सत्व में विद्यमान रहते हैं और अपरिवर्तित रूप में परमात्मा में विद्यमान रहते हैं। आप छह ऐश्वर्यों से पूर्ण भगवान् हैं और भौतिक प्रकृति के तीनों गुणों के शाश्वत स्वामी हैं। इस तरह आप सामान्य जीवित प्राणियों से सर्वदा भिन्न रहते हैं। विष्णु रूप में आप सारे ब्रह्मांड के कार्यों का लेखा-जोखा रखते हैं, तो भी आप अलग रहते हैं और समस्त यज्ञों के भोक्ता हैं।

यस्मिन्विरूद्धगतयो ह्यनिशं पतन्ति
विद्यादयो विविधशक्तय आनुपूर्व्यात्।
तद्ब्रह्म विश्वभवमेकमनन्तमाद्य–
मानन्दमात्रमविकारमहं प्रपद्ये।।

हे भगवान्, ब्रह्म के आप के प्राकट्य में सर्वदा दो विरोधी तत्व ज्ञान तथा अविद्या रहते हैं। आपकी विभिन्न शक्तियाँ निरन्तर प्रकट होती हैं, किन्तु निर्गुण ब्रह्म भौतिक उत्पत्ति का कारण है, जो अपार, आदि, अपरिवर्तित, असीम तथा आनन्दमय है। चूँकि आप वही निर्गुण ब्रह्म हैं, इसलिए मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ।

सत्याशिषो हि भगवंस्तव पादपद्म –
माशीस्तथानुभजतः पुरुषार्थमूर्तेः।
अप्येवमर्य भगवान्परिपाति दीनान्
वाश्रेव वत्सकमनुग्रहकातरोऽस्मान्।।

हे भगवान्, हे परमेश्वर, आप समस्त वरों के परम साक्षात् रूप हैं, इसलिए जो बिना किसी कामना के आपकी भक्ति पर दृढ़ रहता है, उसके लिए राजा बनने तथा राज करने की अपेक्षा आपके चरण-कमलों की पूजा करना श्रेयस्कर है। आपके चरण-कमलों की पूजा का यही वरदान है। मुझ जैसे अज्ञानी भक्त के लिए आप पूर्ण परिपालक हैं, जैसे गाय अपने नवजात बछड़े को दूध पिलाती है और संकट से उसकी रक्षा करके उसकी देखभाल करती है।

धरोवाच

नमः परस्मै पुरुषाय मायया
विन्यस्तनानातनवे गुणात्मने।
नमः स्वरूपानुभवेन निर्धुत–
द्रव्यक्रियाकारकविभ्रमोर्मये।।

हे भगवान्, आपकी स्थिति दिव्य है और आपने अपनी माया के द्वारा तीनों गुणों की अन्योन्य क्रिया से स्वयं को विभिन्न रूपों तथा योनियों में विस्तारित कर रखा है। अन्य कुछ स्वामियों से पृथक आप सर्वदा दिव्य स्थिति में रहते हैं और भौतिक सृष्टि द्वारा प्रभावित नहीं होते जो विभिन्न भौतिक अन्योन्य क्रियाओं से प्रभावित है। परिणाम स्वरूप आप भौतिक कर्मों से मोहग्रस्त नहीं होते।

नुनं बतेशस्य समीहितं जनै–
स्तन्मायया दुर्जययाकृतात्मभिः।
न लक्ष्यते यस्त्वकरोदकारयद्–
योऽनेक एकः परतश्च ईश्वरः।।

हे भगवान्, यद्यपि आप एक हैं, फिर भी आपने अपनी अकल्पनीय शक्तियों द्वारा अपने को विभिन्न रूपों में विस्तारित कर रखा है। आपने इस ब्रह्मांड की रचना ब्रह्मा के माध्यम से की है। इसलिए आप पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान् हैं। जो लोग आपके दिव्य कार्यों को समझ नहीं सकते, वे अधिक अनुभवी नहीं हैं क्योंकि वे लोग आपकी माया के वशीभूत हैं।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री नटवर लाल अग्रवाल मे. नटराज इलेक्ट्रीकल्स देवघर, ओडिशा	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** मे. ओम प्रकाश अग्रवाल डेली मार्केट, देवघर, ओडिशा	**श्री राहुल गोयल** पत्राशाही, वॉर्ड नं-०५ देवघर, ओडिशा	**श्री राजेश अग्रवाल** मे. रंगोली स्टोर, मेन मार्केट, देवघर, ओडिशा	**श्री राम किशन अग्रवाल** मे. कलिंगा हार्डवेअर, देवघर, ओडिशा
श्री ऋषि कुमार गोयल मे. राधिका मेडिकल स्टोर देवघर, ओडिशा	**श्री रितेश गोयल** पत्राशाही, वॉर्ड नं-०५ देवघर, ओडिशा	**श्री सचिन गोयल** मेन मार्केट, देवघर, ओडिशा	**श्री सचिन मित्तल** मे. एस.एन. स्टील एण्ड मार्वल्स, बल्लाम, बाजारशाही, बालासोर, ओडिशा	**श्री संदीप गोयल** मेन मार्केट, देवघर, ओडिशा
श्री संजय गोयल मेन मार्केट, देवघर, ओडिशा	**श्री संजय कुमार मित्तल** बल्लाम, देवघर, ओडिशा	**श्री संजीव कुमार अग्रवाल** कॉलेज रोड, देवघर, ओडिशा	**श्री श्रीराम अग्रवाल** मेन रोड, कंधलस देवघर, ओडिशा	**श्री सौरभ कुमार अग्रवाल** मे. कलिंगा हार्डवेअर कॉलेज रोड, देवघर, ओडिशा
श्री सुरेश कुमार गोयल मे. शू सेंटर, मेन मार्केट, देवघर, ओडिशा	**श्री विवेक गोयल** मे. राधिका मेडिकल स्टोर मेन मार्केट, देवघर, ओडिशा	**श्री अमित अग्रवाल** जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** मे. अमित स्टोर, मेन रोड, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री आनन्द कुमार अग्रवाल** जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा
श्री अंकित कुमार अग्रवाल महावीरपाड़ा, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री आशीष कुमार अग्रवाल** जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री बजरंग लाल अग्रवाल** मे. गायत्री फैन्सी, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री भारत भूषण अग्रवाल** फ्लैट नं. ३०२, तर्ना टावर, कटक पूरी रोड, भुवनेश्वर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री विकास अग्रवाल** जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा
श्री विनोद कुमार जैन जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री दीपक जैन** जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री दिनेश कुमार मित्तल** मे. परी क्लॉथ स्टोर, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री दीपक बंसल** मूखीगूड़ा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री घनश्याम अग्रवाल** नजदीक जगन्नाथ मंदिर मेन रोड, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा
श्री घनश्याम दास अग्रवाल जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री गोपाल चन्द्र अग्रवाल** नजदीक अग्रवाल भवन जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री गोपाल अग्रवाल** मे. गोयल जेनरल स्टोर जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री गोविन्द कुमार अग्रवाल** मे. गोविन्द किराना जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल** जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा
श्री जगमोहन अग्रवाल जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री जितेन्द्र अग्रवाल** जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल** डेली मार्केट, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री मोतीलाल अग्रवाल** खालीयाभाटा, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा
श्री मुकेश कुमार अग्रवाल महावीरपाड़ा, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री मुरारी लाल अग्रवाल** महावीरपाड़ा, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री मुरारी प्रसाद अग्रवाल** महावीरपाड़ा, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री नवल किशोर अग्रवाल** जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री पंकज कुमार बंसल** मे. प्रमोद साड़ी सेंटर नजदीक एस.बी.आई, मेन रोड, कालाहांडी, ओडिशा
श्री पवन कुमार अग्रवाल नजदीक मारवाड़ी धर्मशाला प्रधानपाड़ा, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री प्रभु चन्द्र अग्रवाल** जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल** मे. अमित सेल्स, मेन रोड, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल** मुखीगूड़ा, कालाहांडी, ओडिशा
श्री राजचन्द्र अग्रवाल जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री राजेन्द्र कुमार केडिया** वीजमारा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल** जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री राजेश अग्रवाल** महावीरपाड़ा, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री राकेश कुमार जैन** जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा
श्री रमेश लाल जैन हॉस्पिटल रोड, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री रितेश कुमार अग्रवाल** जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री संजीव कुमार अग्रवाल** मे. मोहन साउंड, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री शंकर कुमार अग्रवाल** नजदीक वैट्रीनरी, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री शिव शंकर अग्रवाल** मे. सुंदर साईकल, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा
श्री श्याम सुंदर अग्रवाल जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री सोहन अग्रवाल** मे. सोहन जेनरल स्टोर जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री सुभाष अग्रवाल** नजदीक राधा कृष्णा मंदिर महावीरपाड़ा, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री सुदम चरन अग्रवाल** जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री सुमित जैन** पैलस् चौक, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री सूरज कुमार अग्रवाल जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री उजेश कुमार अग्रवाल** मेन रोड, जयपटना, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री भावना मूँधड़ा** मे. गजेन्द्र घाना, पदमापुर, जाजपुर रोड, जाजपुर, ओडिशा	**श्री वासुदेव मूँधड़ा** मे. श्रीराम गैसेज, जाजपुर रोड, जाजपुर, ओडिशा	**श्री अजय कुमार सिंघल** खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा
श्री अशोक कुमार अग्रवाल खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री बजरंग कुमार अग्रवाल** मे. श्री श्यामजी मोटर्स खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री बसंत अग्रवाल** खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री ब्रजेश अग्रवाल** मे. राधा रमन क्लॉथ् स्टोर एन.एच. रोड, खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री दयानन्द गोयल** मे. अपना किचन, खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा
श्री गणेश गोयल मे. आर.ओ. प्वाइंट, खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री गोविन्द प्रसाद अग्रवाल** मे. श्रीराम जेनरल स्टोर खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री हनुमान प्रसाद अग्रवाल** मे. मोहन क्लॉथ् स्टोर राज खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री कैलाश अग्रवाल** मे. कैलाश ज्वेलर्स, खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री कैलाश चन्द्र अग्रवाल** आजाद चौक, खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा
श्री लक्ष्मी चन्द मित्तल बेवीरा, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल** पट्नायकपाड़ा, खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री मनीष बंसल** वॉर्ड नं.-०८, खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** वॉर्ड नं.-०९, खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री मूलचन्द सिंघल** मे. श्री गणेश क्लॉथ् स्टोर खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा
श्री नितेश कुमार अग्रवाल मे. फैशन हाउस, पट्नायकपाड़ा, खरियर, नवरंगपुर, ओडिशा	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** आजाद चौक, वॉर्ड नं.-०८ खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** पट्नायकपाड़ा, खरियर, नवरंगपुर, ओडिशा	**श्री प्रवीण अग्रवाल** खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल** खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा
श्री राज किशोर गोयल मेन रोड, खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री राज कुमार गोयल** मे. राज मेडिकल स्टोर बोडेन, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री राज कुमार अग्रवाल** खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री रामावतार अग्रवाल** खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** बोडेन, नुआपाड़ा, ओडिशा
श्री संजय कुमार सराफ वॉर्ड नं.-०३, राज खरियर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री वंदना अग्रवाल** बंगालीपाड़ा, बड़ाबाजार, खेतराजपुर, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री बबीता अग्रवाल** मे. वुमन लिगल असोसिएशन रेलवे स्टेशन रोड बलांगीर, ओडिशा	**श्री हेमलता अग्रवाल** जगन्नाथ कॉलनि, एम.आर-२६, बुद्धाराजा, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री अंकित दारुका** बालाजी कॉलनि, खेतराजपुर, सम्बलपुर, ओडिशा
श्री आशीष कुमार अग्रवाल मे. माँ सम्लाई ट्रेडर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, खेतराजपुर, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री बिमल कुमार अग्रवाल** ४०५ के.आर. रेसीडेंसी, खेतराजपुर, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** मे. महावीर इलेक्ट्रोनिक्स छोटी सड़क, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री फकीर चन्द अग्रवाल** मे. महानदी स्टील, बराईपल्ली, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री गोविन्द अग्रवाल** मे. लिफ्ट एण्ड शिफ्ट मेन रोड, ब्रजराजनगर झारसुगुड़ानगर, ओडिशा
श्री मनीष अग्रवाल मे. उत्कल हार्डवेअर स्टोर गोलबाजार, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री मनोज अग्रवाल** १०३, ग्रेटर सम्बलपुर, बराईपल्ली, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री मनोज कुमार लाठ** मे. मनोज मोटर, बराईपल्ली, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री निहित शाह** ए.आई.आर कॉलनि रोड, वी.एस.एस. मार्ग, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री निखिल सिंघानिया** नजदीक लायंस क्लब, सलिया बगीचा, कुम्भारपाड़ा, सम्बलपुर, ओडिशा
श्री पंकज कुमार भालोटिया भालोटिया भवन, पोद्दार कॉलनि, खेतराजपुर, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री प्रमोद पंसारी** खेतराजपुर, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री राज कुमार केडिया** मे. केडिया टेक्सटाइल्स मारवाड़ीपाड़ा, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री राकेश कुमार अग्रवाल** रेमेड चौक, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री राकेश टिबड़ेवाल** मे. कृष्णा एजेन्सी, महिला थाना के सामने, सम्बलपुर, ओडिशा
श्री राम प्रताप अग्रवाल जगन्नाथ कॉलनि, एम.आर.-२६, बुद्धाराजा सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री रमेश कुमार पोद्दार** नजदीक ए.पी. धर्मशाला, खेतराजपुर, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री रामअवतार शर्मा** गोदभागा, अतरावीरा, बरगढ़, ओडिशा	**श्री सज्जन कुमार अग्रवाल** नजदीक आई.पी.एस स्कूल, मेन रोड, खेतराजपुर, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** शिवराज नगर, पंचगछिया, सम्बलपुर, ओडिशा
श्री संजय कुमार लोहिया मेहर गली, मारवाड़ीपाड़ा, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री शिव कुमार टिबड़ेवाल** हाउस नं.-४०, पोद्दार कॉलनि, खेतराजपुर, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री श्रवण कुमार जालान** जालान गली, फार्मरोड, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री शुभम अग्रवाल** महावीर गली, खेतराजपुर, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री सुनील अग्रवाल** बालाजी कॉलनि, राईट लेन-४, खेतराजपुर, सम्बलपुर, ओडिशा
श्री अनिल कुमार जैन धर्मगढ़, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री बसंत कुमार अग्रवाल** मे. बसंत फर्टिलाइजर, धर्मगढ़, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री चिरंजी अग्रवाल** नजदीक एच.पी. पेट्रोल पम्प, धर्मगढ़, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** नजदीक शिशु मंदिर चौक, धर्मगढ़, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री मतादीन प्रसाद अग्रवाल** धर्मगढ़, कालाहांडी, ओडिशा

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री मृत्युंजय अग्रवाल केबेदी, धर्मगढ़, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री मुकेश कुमार अग्रवाल** बाजारपाड़ा, धर्मगढ़, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री रूपेश अग्रवाल** धर्मगढ़, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री सतीष चन्द्र अग्रवाल** धर्मगढ़, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री शंकर लाल अग्रवाल** मे. चाहत क्लॉथ स्टोर एम.बी.जी. कॉम्प्लेक्स, धर्मगढ़, कालाहांडी, ओडिशा
श्री कपिल अग्रवाल धर्मगढ़, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** मे. मनिकेश्वरी बुक स्टोर धर्मगढ़, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री महेन्द्र मोहन जैन** मे. माँ मनसादेवी मेडिकल्स धर्मगढ़, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री सुमित जगतरामका** मे. श्रीराम राइस मिल भतरा, धनुपल्ली, सम्बलपुर, ओडिशा	**श्री संजीव कुमार सुरेका** दौलतराम चौक, बासाबाजार, कटिहार, बिहार
श्री सुभाष कुमार अग्रवाल मे. चेतन स्टोर, बड़ी दुर्गा स्थान रोड, सहरसा, बिहार	**श्री लीलाधर माहेश्वरी** कालीबाड़ी रोड, कटिहार, बिहार	**श्री दिलीप कुमार महेशका** मे. यशराम मारवाड़ी लेन गुरुद्वारा रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री विष्णु मसकरा** मे. मोनट कारलो शोरूम पोस्ट ऑफिस के सामने मेन रोड, रक्सौल, बिहार	**श्री कमल मसकरा** पोस्ट ऑफिस के सामने मसकरा, कॉम्प्लेक्स रक्सौल, बिहार
श्री राजकुमार सोमानी लालबाजार, बेहीता पश्चिम चम्पारन, बिहार	**श्री राजेश सीकरिया** मे. राधाकृष्णा टेक्सटाइल्स लालबाजार, बेहीता, पश्चिम चम्पारन, बिहार	**श्री अभिषेक जैन** होटल अतिथि टावर के सामने, सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री प्रदीप जालान** कबाड़ीटोला लेन, पटेल बाबू रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री रवि कुमार रुँगटा** मे. लक्ष्मी वस्त्रालय, मेन रोड, बेगूसराय, बिहार
श्री कृष्णा कुमार अग्रवाल मे. के.के. एंटरप्राइजेज नजदीक संस्कार वाटिका मुंगेरीगंज, बेगूसराय, बिहार	**श्री अनुपम मसकरा** मे. अनुपम स्टील, उलाव ढाला, रिफानरी रोड, बेगूसराय, बिहार	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** वॉर्ड नं.-०५, सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री रौनक अग्रवाल** मे. अग्रवाल ड्रेसर्स, बरसोइ बाजार, सुल्तानपुर, कटिहार, बिहार	**श्री आशीष कुमार अग्रवाल** मे. श्री श्याम कंस्ट्रक्शन सलमारी, कटिहार, बिहार
श्री जीवन कुमार सिंघानिया गोयनका मार्केट, माछरता, पटना, बिहार	**श्री अनुप पोद्दार** मिर्चाई गली, पटना सिटी, पटना, बिहार	**श्री अरुण अग्रवाल** मे. श्री दुर्गा स्टोर, गोयनका मार्केट, माछरता, पटना सिटी, पटना, बिहार	**श्री स्वीकृति अग्रवाल** छोटी पतन देवी गली, पटना सिटी, पटना, बिहार	**श्री मनीष अग्रवाल** छोटी पतन देवी गली, पटना सिटी, पटना, बिहार
श्री चन्द्र प्रकाश झुनझुनवाला मे. प्रीति जेनरल स्टोर, केशव राय की घाट, पटना सिटी, बिहार	**श्री सतीश कुमार गोयनका** मे. अग्रवाल एंटरप्राइजेज धाधा गली चौक, पटना सिटी, पटना, बिहार	**श्री कन्हैया लाल बागल** झाउगंज, पटना सिटी, पटना, बिहार	**श्री संजय कुमार राजघरिया** मे. संजय ट्रेडिंग, हरमंदिर गली, पटना सिटी, पटना, बिहार	**श्री उमंग मुरारका** अनन्तराम लेन, गुजागंज, भागलपुर, बिहार
श्री ज्योति बेरोलिया बेरोलिया निवास, प्रथम तल्ला, रोड नं.-०७, राजेन्द्र नगर, पटना, बिहार	**श्रीमती सुनीता देवी** कृष्णा कॉटेज, वॉर्ड नं-२६, नगर परिषद, सुपौल, बिहार	**श्री सुनील कुमार संथलिया** वॉर्ड नं.-०९, लोहिया नगर चौक, सुपौल, बिहार	**श्रीमती शोभा संथलिया** वॉर्ड नं.-०९, लोहिया नगर चौक, सुपौल, बिहार	**श्री रिंकी संथलिया** वॉर्ड नं.-०९, लोहिया नगर चौक, सुपौल, बिहार
श्री आशा संथलिया मे. मयंक कुमार जगदीप प्रसाद, लोहिया नगर, सुपौल नगर, सुपौल, बिहार	**श्रीमती मनीषा संथलिया** वॉर्ड नं.-०९, लोहिया नगर चौक, सुपौल, बिहार	**श्रीमती पूनम देवी** मे. जगदम्बा सीमेंट एजेंसी वॉर्ड नं.-०९, लोहिया नगर चौक, सुपौल, बिहार	**श्रीमती रीता सरावगी** मे. जगदम्बा सीमेंट एजेंसी वॉर्ड नं.-०९, लोहिया नगर चौक, सुपौल, बिहार	**श्री केशव कुमार संथलिया** मे. जगदम्बा सीमेंट एजेंसी वॉर्ड नं.-०९, लोहिया नगर चौक, सुपौल, बिहार
श्री प्रमोद डोसी मे. चम्पालाल बाबुलाल दक्षिण हाटखोला रोड, वॉर्ड नं.-०९, सुपौल, बिहार	**श्री बसंत कुमार डोसी** मे. चम्पालाल बाबुलाल दक्षिण हाटखोला रोड, वॉर्ड नं.-०९, सुपौल, बिहार	**श्री रंजन कुमार जैन** मे. चम्पालाल बाबुलाल दक्षिण हाटखोला रोड, वॉर्ड नं.-०९, सुपौल, बिहार	**श्रीमती राजश्री जैन** मे. चम्पालाल बाबुलाल दक्षिण हाटखोला रोड, वॉर्ड नं.-०९, सुपौल, बिहार	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मे. केदार मेडिकल हॉल, स्टेशन चौक, वॉर्ड नं.-१०, सुपौल, बिहार
श्रीमती कुसुम देवी मे. केदार मेडिकल हॉल, स्टेशन चौक, वॉर्ड नं.-०९, सुपौल, बिहार	**श्री बिमल कुमार मोहनका** मे. अम्बे मेडिकल स्टोर, स्टेशन चौक, सुपौल, बिहार	**श्री सूरज अग्रवाल** मे. कुमार आयरन इन्क्लेव पालिका विनायका अस्पताल के सामने, पटना, बिहार	**श्री दीपक कुमार मोहनका** स्टेशन चौक, वॉर्ड नं.-१०, सुपौल, बिहार	**श्रीमती कविता देवी** स्टेशन चौक, वॉर्ड नं.-१०, सुपौल, बिहार
श्री अजय कुमार मोहनका स्टेशन चौक, वॉर्ड नं.-०९, सुपौल, बिहार	**श्री श्रवण कुमार मोहनका** स्टेशन चौक, वॉर्ड नं.-१०, सुपौल, बिहार	**श्री विजय कुमार मोहनका** मे. मोहनका एजेंसी स्टेशन रोड, वॉर्ड नं.-१०, सुपौल, बिहार	**श्री रश्मि मोहनका** स्टेशन रोड, वॉर्ड नं.-१०, सुपौल, बिहार	**श्री सुशील कुमार** मे. धनवंतरी वस्त्रालय स्टेशन रोड, वॉर्ड नं.-१०, सुपौल, बिहार
श्री अमित कुमार स्टेशन रोड, वॉर्ड नं.-१०, सुपौल, बिहार	**श्री रमेश कुमार मोहनका** स्टेशन रोड, वॉर्ड नं.-१०, सुपौल, बिहार	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** स्टेशन रोड, वॉर्ड नं.-१०, सुपौल, बिहार	**श्री शारदा अग्रवाल** नजदीक एस.बी.आई. वॉर्ड नं.-२५, थाना रोड, सुपौल, बिहार	**श्रीमती सविता जैन** मे. जैन ट्रेडिंग, वॉर्ड नं.-१२, थाना रोड, सुपौल, बिहार

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2018-2020
Date of Publication - 30th November 2020
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com